RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

संत जनों के पास है, भक्तों की भरमार।
अगर आप कर दें बचन, नैया लागे पार।
नैया लागे पार, इशारा कर दें जिसको।
पड़ जाती है वोट, एक तरफा ही उसको।
कह साहिल कविराय, कृपा पूरी कर देना।
बदले में जब कहें, ग्रांट उतनी ले लेना।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 164 | TUESDAY DATE 07-07-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

संक्षिप्त खबरें

राम मंदिर ट्रस्ट ही सवालों के घेरे में, जनता का उठ रहा विश्वास: पवन खेड़ा

नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 जुलाई । कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने राम मंदिर ट्रस्ट, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), उत्तर प्रदेश की राजनीति और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के बयानों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट की कार्यप्रणाली और उसके फैसलों पर लोगों का भरोसा लगातार कम होता जा रहा है।

समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में पवन खेड़ा ने कहा कि जब राम मंदिर का पूरा ट्रस्ट ही सवालों के घेरे में हो, तो उसके किसी भी फैसले या निर्णय लेने की प्रक्रिया पर विश्वास करना कठिन हो जाता है। उन्होंने कहा कि इसी कारण लोगों का भरोसा लगातार कम हो रहा है। अयोध्या के राम मंदिर जाने से जुड़े सवाल पर खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस के कई नेता पहले ही वहां जा चुके हैं और कुछ नेताओं ने मंदिर में दान भी दिया है। उन्होंने कहा कि इससे ट्रस्ट से जुड़े विवाद खत्म नहीं हो जाते। उनके अनुसार, राम मंदिर का पूरा प्रोजेक्ट भाजपा और आरएसएस का प्रोजेक्ट है, जिसमें जवाबदेही का अभाव है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस परियोजना में अनियमितताएं हो रही हैं और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। देशभर के विभिन्न पूजा स्थलों पर बढ़ रही चोरी की घटनाओं का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि इन मामलों में एक खास पैटर्न दिखाई देता है।

उपराज्यपाल पहुंचे आरके पुरम स्थित 'कांची कामकोटी पीठम सांस्कृतिक केंद्र'

नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 जुलाई । दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू सोमवार को आरके पुरम स्थित 'कांची कामकोटी पीठम सांस्कृतिक केंद्र' पहुंचे। इस दौरान उन्होंने शंकर विजयेंद्र सरस्वती स्वामीगल से अत्यंत ज्ञानवर्धक संवाद किया। उन्होंने यह जानकारी सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर साझा की। उपराज्यपाल ने केंद्र द्वारा आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण, सामुदायिक सेवा को बढ़ावा देने और युवाओं एवं महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए किए जा रहे समर्पित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वामीजी का शांति, सद्भाव और आध्यात्मिकता का शाश्वत संदेश है।

देश की एकता से समझौता करने वालों को इतिहास ने नकारा : सीएम योगी

लखनऊ, यूटर्न/ 06 जुलाई । यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर उन्हें भारत माता का महान सपूत, प्रखर स्वतंत्रता सेनानी और दूरदर्शी राष्ट्रवादी बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे' का उद्घोष किया था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 का निरसन हटाकर साकार किया। लखनऊ में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी केवल एक शिक्षाविद या राजनेता नहीं थे, बल्कि देश की अखंडता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले राष्ट्रनायक थे।

पेट्रोल-डीजल वाहन मालिकों को घबराने की जरूरत नहीं

चरणबद्ध तरीके से लागू होगी ईवी नीति : रेखा गुप्ता

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 जुलाई ।**

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति को लेकर लोगों की चिंताओं को दूर करते हुए साफ किया है कि पेट्रोल और डीजल वाहन मालिकों को घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार की यह नीति अचानक लागू होने वाली नहीं है बल्कि इसे पूरी तरह चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा ताकि आम लोगों पर कोई अनावश्यक बोझ न पड़े।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि कोई भी नई व्यवस्था एकदम से लागू नहीं होती, बल्कि उसमें समय लगता है और कई सालों में जाकर वह पूरी तरह आकार लेती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए सरकार ने ईवी नीति को इस तरह तैयार किया है कि लोग धीरे-धीरे बदलाव को अपनाएं और उन्हें किसी तरह की असुविधा न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन लोगों के पास पहले से पेट्रोल और डीजल वाहन हैं, वे अपनी गाड़ी का उपयोग तब तक कर सकते हैं, जब तक उसकी वैध अवधि (लाइफ स्पैन) पूरी नहीं हो जाती। जनता को इस मामले में किसी भी प्रकार की चिंता या कन्फ्यूजन में नहीं पड़ना चाहिए। रेखा गुप्ता ने बताया कि नई नीति के तहत कुछ बदलाव चरणों में लागू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 1 जनवरी 2027 से दिल्ली में केवल इलेक्ट्रिक ऑटो का ही रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। इसका मतलब यह है कि नए ऑटो खरीदने वालों को इलेक्ट्रिक वाहन ही लेने होंगे जबकि पुराने ऑटो पहले की तरह चलते रहेंगे। इसी तरह, अप्रैल 2028 से इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए नई रजिस्ट्रेशन व्यवस्था लागू की जाएगी, जिसके तहत नए टू-व्हीलर केवल इलेक्ट्रिक ही होंगे। हालांकि जिन लोगों के पास पहले से पेट्रोल या डीजल के दोपहिया वाहन हैं, वे उन्हें उनके निर्धारित समय तक इस्तेमाल कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि यह पूरी नीति किसी को परेशान करने के लिए नहीं बल्कि दिल्ली के प्रदूषण को कम करने और शहर को स्मार्ट मोबिलिटी की ओर ले जाने के लिए बनाई गई है।

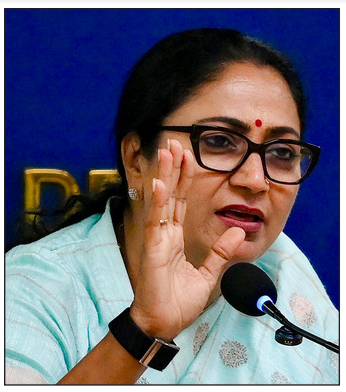

केजरीवाल पर रेखा गुप्ता का पलटवार, बोलीं- अहंकार तो रावण का भी नहीं टिका, आप कौन?

नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 जुलाई । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोला है। केजरीवाल द्वारा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को लेकर किए गए 'आप कौन हैं?' वाले पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए रेखा गुप्ता ने कहा कि कभी पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी पूछा था, 'कौन अमित शाह?' समय हर प्रश्न का उत्तर देता है। अहंकार तो रावण का भी नहीं टिका, आप कौन? दरअसल, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा, 'मैं राहुल गांधी, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल से कहना चाहता हूं कि हिंदू धर्म को इतना कमजोर मत समझिए कि लोग आपके बहकावे में आ जाएंगे। जब आपके लोग हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करते हैं, तब आप मौन रहते हैं। सनातन का अपमान उत्तर प्रदेश और देश की जनता कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। हमने अपनी विरासत को संजोया है और इसके लिए हमारे पुरखों ने कुर्बानियां तक दी हैं।'

राष्ट्रपति प्रबोवो के गर्मजोशी भरे स्वागत से अभिभूत : पीएम मोदी

जकार्ता, यूटर्न/ 06 जुलाई । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय राजकीय दौरे पर जकार्ता पहुंचे। यहां राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने भारत के पीएम का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने भी राष्ट्रपति के इस भाव के लिए आभार जताया। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के एयरपोर्ट पर किए गए व्यक्तिगत और गर्मजोशी भरे स्वागत से मैं बेहद अभिभूत हूं।' प्रधानमंत्री मोदी ने सुदृढ़ और प्रगाढ़ होते संबंधों को लाभप्रद बताया। उन्होंने कहा, ' 2018 में भारत और इंडोनेशिया के संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया था, जिससे दोनों देशों के लोगों को कई लाभ मिले हैं। इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो से विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को नई गति देने पर विस्तृत चर्चा होगी।' पीएम ने बताया कि वह राष्ट्रपति सुबियांतो के साथ योग्याकार्ता स्थित प्रसिद्ध प्रम्बानन मंदिर परिसर का भी दौरा करेंगे। यह यात्रा भारत और इंडोनेशिया के बीच सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत बनाएगी। पोस्ट में पीएम ने कहा, 'इंडोनेशिया प्रवास के दौरान मैं यहां रह रहे भारतीय समुदाय से मिलने को लेकर भी उत्साहित हूं।'

अखिलेश ने साधा निशाना, बोले-भाजपा में सरकार बनाम संगठन की लड़ाई'

» **लखनऊ, यूटर्न/ 06 जुलाई ।**

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के दो दिवसीय लखनऊ दौरे पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा में सरकार और संगठन के बीच टकराव की स्थिति है। उन्होंने नितिन नबीन के चाय कार्यक्रम पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब किसी के पास कोई काम नहीं होता, तो वह चाय पीने चला जाता है।

लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा अध्यक्ष के दौरे के दौरान ऐसा माहौल बना, मानो सरकार और संगठन के बीच संघर्ष चल रहा हो। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 'जब हमें भी कोई काम नहीं होता, तो हम भी चाय पीने चले जाते हैं।' उनका यह बयान भाजपा अध्यक्ष के लखनऊ प्रवास के दौरान पार्टी नेताओं के साथ एक प्रसिद्ध चाय की दुकान पर पहुंचने के संदर्भ में आया।

सपा अध्यक्ष ने राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि इसका संज्ञान देश-दुनिया के रामभक्तों और न्यायपालिका को लेना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के पास अपनी उपलब्धियां बताने के लिए कुछ नहीं है, इसलिए आस्था से जुड़े मुद्दे भी विवादों में घिर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'डबल इंजन' सरकार के भीतर टकराव है और सत्ता के केंद्रों में खींचतान साफ दिखाई दे रही है। अखिलेश यादव ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान शुरू की गई अनेक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन आज भी वर्तमान सरकार कर रही है।

माफियासहकारिता मंत्रालय के 5 साल पूरे, पीएम मोदी के फैसले से आंदोलन को मिला नया जीवन: शाह

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 जुलाई ।**

सहकारिता मंत्रालय के पांच साल पूरे होने के मौके पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए। इस खास मौके पर केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में सहकारिता क्षेत्र की उपलब्धियों को रेखांकित किया और बताया कि कैसे इसकी शुरूआत हुई?

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज ही के दिन केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय को केंद्र सरकार में प्रस्तावित करने का काम किया था। सभी सहकारिता सदस्यों की ओर से प्रधानमंत्री का धन्यवाद करना चाहूंगा। प्रधानमंत्री के इस फैसले ने सहकारिता आंदोलन को नए चरण में ले जाने का काम किया है। 75 वर्षों में सहकारिता आंदोलन उपेक्षित रहा। इसे हमेशा दोयम दर्जे को जाना गया। लेकिन, प्रधानमंत्री ने इसे एक सदी तक आगे बढ़ाने का काम किया है और उनके एक फैसले से ही करोड़ों लोगों को फायदा पहुंचा है। सहकारिता मंत्रालय ने सहकारिता क्षेत्र को नया प्राण देने का काम किया है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह के मुताबिक, आज की तारीख में सहकारिता मंत्रालय के पांच साल पूरे हो चुके हैं। ऐसी स्थिति में हमारे लिए यह जरूरी हो जाता है कि हम आपको अपने मंत्रालय की उपलब्धियों से अवगत कराएं। साथ ही, अपनी भावी रोडमैप के बारे में भी बताए। जब केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय का गठन किया जा रहा था, तब कई लोग इसका विरोध कर रहे थे।

एलएनजेपी अस्पताल के बाहर 'आप' का मौन प्रदर्शन, 650 करोड़ रुपए के कथित दवा घोटाले पर सरकार को घेरा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 जुलाई ।**

दिल्ली में 650 करोड़ रुपए के कथित दवा घोटाले को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार को लोकनायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल के बाहर मौन सांकेतिक प्रदर्शन किया। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में पार्टी कार्यकर्ताओं ने लंबी मानव श्रृंखला बनाकर सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं के हाथों में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पूर्व डीजीएचएस डॉ. वत्सला अग्रवाल की तस्वीर वाले पोस्टर थे, जिन पर लिखा था, 'ये रिश्ता क्या कहलाता है?' प्रदर्शन के दौरान आम आदमी पार्टी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और स्वास्थ्य मंत्री से इस्तीफे की मांग करते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठाई। पार्टी नेताओं का आरोप है कि भाजपा सरकार ने नियमों में बदलाव कर सरकारी अस्पतालों की खरीद प्रक्रिया को केंद्रीकृत किया, जिससे कथित रूप से बड़े स्तर पर अनियमितताओं को बढ़ावा मिला।

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा स्वयं यह स्वीकार कर रही है कि डीजीएचएस कार्यालय में 650 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि डॉ वत्सला अग्रवाल को डीजीएचएस किसने बनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि डॉ वत्सला के खिलाफ पहले से विजिलेंस जांच लंबित होने के बावजूद उन्हें वरिष्ठ अधिकारियों की अनदेखी कर इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया गया।

संक्षिप्त खबरें

बिजली गुल होने से परेशान लोगों ने सड़क पर लगाया जाम

लोनी, यूटर्न/ 06 जुलाई । गढ़ी जस्सी गांव में पांच घंटे बिजली गुल होने से परेशान लोगों ने दिल्ली-सहारनपुर मार्ग पर जाम लगा दिया। हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को शांत कराया। पुलिस के समझाने पर लोग वापस लौट गए। लोगों का कहना है कि लाइट जाने पर बिजली अधिकारियों को फोन करते रहे, लेकिन कोई जवाब नहीं दिया। 400 केवीए का ट्रांसफार्मर फुंकने पर रविवार सुबह करीब पांच बजे बिजली गुल हो गई। ट्रांसफार्मर से करीब 250 उपभोक्ता जुड़े हैं। तीन दिन में दूसरी बार ट्रांसफार्मर फुंकने से लोग परेशान हैं। सुबह से ही बिजली गुल रहने से घरों में पानी की टंकी खाली हो गई। रूपनगर अधिशासी अभियंता सचिन कुमार ने बताया कि जानकारी मिलने के बाद दूसरा ट्रांसफार्मर मंगाया गया है। बरसात के चलते लगे जाम से ट्रांसफार्मर पहुंचने में देरी हुई।

युवती से दुष्कर्म के बाद वीडियो रिकॉर्ड कर वायरल की, आरोपी गिरफ्तार

साहिबाबाद, यूटर्न/ 06 जुलाई टीलामोड़ थानाक्षेत्र में युवती से दुष्कर्म के बाद अश्लील वीडियो रिकॉर्ड करके वायरल करने का मामला सामने आया है। युवती की बहन ने तीन जुलाई को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। वहीं चार जुलाई को पुलिस ने आरोपी बंटी पाठक को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया। पूछताछ में आरोपी ने दुष्कर्म और अश्लील वीडियो वायरल करने की बात स्वीकार की है। प्रभारी एसीपी शालीमार गार्डन अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि शनिवार को युवती ने पुलिस को तहरीर दी थी। आरोप था कि बंटी पाठक ने उनकी बहन को अपने फ्लैट पर बुलाकर दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बनाकर वायरल की। पुलिस ने जांच शुरू की और रविवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

दिल्ली में बड़े आतंकी हमले की साजिश नाकाम शाहजाद भट्टी नेटवर्क के 6 गुर्गे गिरफ्तार

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 जुलाई ।**

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तानी आतंकी शाहजाद भट्टी के नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इनमें एक मॉड्यूल दिल्ली में किसी महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठान या पुलिस स्थापना पर पेट्रोल बम से हमला करने की साजिश रच रहा था, जबकि दूसरा मॉड्यूल पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भेजे गए हथियारों की तस्करी कर रहा था। पुलिस ने दिल्ली, उत्त प्रदेश और पंजाब से जुड़े छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से तीन पेट्रोल बम, तीन अत्याधुनिक पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस, दो कारें, एक चोरी की बाइक, मोबाइल फोन और पाकिस्तानी हैंडलरों से हुई बातचीत के डिजिटल साक्ष्य बरामद हुए हैं। स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद कुशवाहा ने सोमवार को पुलिस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह कार्रवाई स्पेशल सेल की नॉर्दर्न रेंज (एनडीआर) की टीम ने की। पूरी कार्रवाई डीसीपी प्रवीण त्रिपाठी की निगरानी में एसीपी विवेक कुमार त्यागी तथा इंस्पेक्टर सुनील रजैन और इंस्पेक्टर धीरज की टीम ने अंजाम दी। दोनों मामलों में भारतीय न्याय संहिता और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत स्पेशल सेल थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। जांच में सामने आया कि पहला मॉड्यूल पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े हैंडलर राना हुनैन के इशारे पर काम कर रहा था। राना हुनैन, शाहजाद भट्टी का करीबी सहयोगी बताया गया है। पुलिस के मुताबिक मॉड्यूल का मकसद दिल्ली में किसी महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठान या पुलिस स्थापना की रेकी कर पेट्रोल बम से हमला करना था। स्पेशल सेल ने विजय घाट इलाके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से तीन पेट्रोल बम, 2,000 रुपये नकद, एक चोरी की मोटरसाइकिल और ऐसे मोबाइल फोन बरामद हुए हैं जिनमें पाकिस्तानी हैंडलरों के साथ चैट, फोटो और वीडियो मिले हैं।

एलएनजेपी अस्पताल के बाहर 'आप' का मौन प्रदर्शन, 650 करोड़ रुपए के कथित दवा घोटाले पर सरकार को घेरा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 जुलाई ।**

दिल्ली में 650 करोड़ रुपए के कथित दवा घोटाले को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार को लोकनायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल के बाहर मौन सांकेतिक प्रदर्शन किया। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में पार्टी कार्यकर्ताओं ने लंबी मानव शृंखला बनाकर सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं के हाथों में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पूर्व डीजीएचएस डॉ. वत्सला अग्रवाल की तस्वीर वाले पोस्टर थे, जिन पर लिखा था, 'ये रिश्ता क्या कहलाता है?' प्रदर्शन के दौरान आम आदमी पार्टी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और स्वास्थ्य मंत्री से इस्तीफे की मांग करते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठाई। पार्टी नेताओं का आरोप है कि भाजपा सरकार ने नियमों में बदलाव कर सरकारी अस्पतालों की खरीद प्रक्रिया को केंद्रीकृत किया, जिससे कथित रूप से बड़े स्तर पर अनियमितताओं को बढ़ावा मिला। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा स्वयं यह स्वीकार कर रही है कि डीजीएचएस कार्यालय में 650 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि डॉ वत्सला अग्रवाल को डीजीएचएस किसने बनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि डॉ वत्सला के खिलाफ पहले से विजिलेंस जांच लंबित होने के बावजूद उन्हें वरिष्ठ अधिकारियों की अनदेखी कर इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया गया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कभी भी पद को नहीं, विचार को महत्व दिया: जेपी नड्डा

अंबाला, यूटर्न/ 06 जुलाई । डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर हरियाणा के अंबाला जिले में आयोजित कार्यक्रम को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने संबोधित किया। सभा को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने कहा, 'मेरा ये सौभाग्य है कि मुझे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125वीं जन्म-जयंती के अवसर पर हरियाणा की पवित्र भूमि पर अंबाला आने का अवसर मिला है। यह भूमि सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टि से गीता की भूमि कही जाती है। इस भूमि को आजादी के वीरों के लिए जाना जाता है। खेलों में हमारे देश का नाम रोशन करने वाली हरियाणा की इस भूमि को मैं नमन करता हूं।' उन्होंने कहा कि आज जब मैं यहां आया हूं, तो मैं कहूंगा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के जीवन से हमें जो दृष्टि मिलती है, उसकी भावना एक भारत-श्रेष्ठ भारत में निहित है। उनका जीवन इसके लिए ही समर्पित किया। हम जिस पार्टी के सदस्य हैं, उसके वे संस्थापक सदस्य रहे और 21 अक्टूबर, 1951 को उन्होंने इस विचारधारा, भारतीय जनसंघ, की स्थापना की। आज हमें खुशी है कि जिस पौधे की जड़ों को उन्होंने सींचा, आज वह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और एनडीए आज देश की 78 प्रतिशत जनसंख्या पर राज कर रही है और लगभग 72 प्रतिशत भू-भाग पर एनडीए और भारतीय जनता पार्टी का कमल खिला है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कभी भी पद को नहीं बल्कि विचार को महत्व दिया और जब-जब बारी आई विचार के लिए पद को त्यागा और विचार के साथ खड़े रहे।

दिल्ली हाईकोर्ट ने जिमखाना क्लब को खाली करने के नोटिस को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र से जवाब मांगा

नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 जुलाई । दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। यह नोटिस दिल्ली जिमखाना क्लब के एक सदस्य और क्लब के कर्मचारी कल्याण संघ की ओर से दायर उन याचिकाओं पर जारी किया गया, जिनमें ऐतिहासिक लुटियंस दिल्ली परिसर से उन्हें हटाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा भेजे गए 'कारण बताओ नोटिस' को चुनौती दी गई थी। जस्टिस अवनीश झिंगन की सिंगल बेंच ने केंद्र से जवाब मांगा और मामले की अगली सुनवाई 28 जुलाई के लिए तय की। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, जो केंद्र की ओर से वर्चुअली पेश हुए थे, उन्होंने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा क्योंकि उन्हें ये एप्लीकेशन एक दिन पहले ही मिली थीं। केंद्र की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा भी पेश हुए जबकि सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी और जयंत मेहता ने एप्लीकेशन दाखिल करने वालों का पक्ष रखा। ये एप्लीकेशन दिल्ली जिमखाना क्लब के सदस्य विजय खुराना और क्लब के स्टाफ वेलफेयर एसोसिएशन ने उन सिविल मुकदमों में दाखिल की हैं जिनमें केंद्र के उस कदम को चुनौती दी गई है जिसके तहत वह औपनिवेशिक दौर के क्लब परिसर का कब्जा वापस लेना चाहता है। यह तब हुआ जब केंद्र सरकार ने सफदरजंग रोड स्थित क्लब परिसर से कब्जा करने वालों को हटाने की प्रक्रिया शुरू की और लैंड एंड डेवलपमेंट ऑफिस के एस्टेट ऑफिसर ने 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने लुटियंस दिल्ली में दिल्ली जिमखाना क्लब परिसर का कब्जा वापस लेने के केंद्र के कदम के खिलाफ अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था।

सांझा विरासत साहित्य मंच कुंजपुरा द्वारा मासिक साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित

पानीपत, यूटर्न/ 06 जुलाई । विकास क्लब साहित्य कला मंच द्वारा अपना मासिक साहित्यिक कार्यक्रम विकास क्लब भवन में आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ शायर डॉ कमर रईस ने की, विशिष्ट अतिथि अनिल आर्य व रोहताश सैनी रहे, विशेष अतिथि वरिष्ठ शायर हरबंस पथिक व प्रोफेसर राजिंदर करनाल रहे। सर्वप्रथम करनाल के वरिष्ठ शायर एवं कारवां -ए -अदब के अध्यक्ष एवं कवयित्री चन्द्रवती दीक्षित के पति के देहांत होने पर सभी उपस्थित कवियों एवं श्रोताओं द्वारा मौन श्रद्धांजलि दी गई। तत्पश्चात कार्यक्रम अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि एवं विशेष अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। काव्य की शुरूआत अश्विनी शर्मा व कपिल शर्मा द्वारा सरस्वती वंदना से की गई। कार्यक्रम का मंच संचालन कवि प्रेम पाल सागर ने किया। शायर डॉ कमर रईस ने कहा.यही दौरे हाजिर का वरदान है, जिसे देखिये वो ही परेशान हैं. शायर हरबंस पथिक ने कहा.कि दीये का वजूद दिन के उजाले में नहीं, अंधेरा घणा हो तो ही पता चलता है.. वरिष्ठ कवि प्रेम पाल सागर ने कहा. दिखते हैं आब आग होते हैं लोग, हन्सो के रूप में काग होते हैं लोग.. मधुर आवाज के धनी गुरमुख सिंह वड़ैच ने पढ़ा हम क्या बनाने आये थे हम क्या बना बैठे, कहीं मंदिर कहीं मस्जिद कहीं गुरूद्वारा कहीं गिरजाघर बना बैठे, युवा शायर रामेश्वर देव ने कहा. जो तेरा हक है मिलकर रहेगा तुझे, घर में मत कर बखेड़ा तू बे बात का,कवि दयाल जास्ट ने कहा चलो अकेले रूको नहीं,रूकने का ये दौर नहीं, कवयित्री गुरविंदर कौर गुरी ने कहा मैं सेमर का फूल बनूंगी,किसी देव पर नहीं चढ़ूंगी,युवा कवि सचिन पाल ने कहा इस किनारे तुफान बहुत है,जाना हमें उस पार है, रोहतास सैनी ने पढ़ा प्यार मोहब्बत भाई चारा, सबसे पहले धर्म हमारा,कवि अमित कामरा ने कहा मैं जानता हूं एक दिन तुम जरूर आओगे,मेरी उम्मीदों का मुरझाया बगीचा खिलाओगे.

गांवों के समग्र विकास को लेकर पंचायत संघ ने उठाई आवाज, मंत्री इंद्राज ने दिया भरोसा

नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 जुलाई । दिल्ली पंचायत संघ के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव के नेतृत्व में दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह से उनके मंत्रालय स्थित कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। बैठक में दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास, किसानों के हितों और समाज कल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

आशा वर्कर्स यूनियन सम्बंधित सीटू ने स्वास्थ्य मंत्री के नाम पर सीएमओ को मांग पत्र सौंपा

» **निर्मल सिंह विर्क**

पानीपत, यूटर्न/ 06 जुलाई । आशा वर्कर्स यूनियन संबंधित सीटू जिला कमेटी पानीपत के नेतृत्व में आशा वर्कर्स ने जिला सीएमओ कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री भारत सरकार को अपनी मांगों बारे सीएमओ के माध्यम से लिखित मांग पत्र भेजा गया। आगामी 21 जुलाई 2026 को हरियाणा राज्य कमेटी आशा वर्कर्स यूनियन में अपनी मांगों को लेकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन निदेशक पंचकूला चंडीगढ़ कार्यालय पर हजारों की संख्या में विरोध प्रदर्शन करने का किया ऐलान।

*प्रदर्शन का नेतृत्व सीटू राज्य सचिव सुनील दत्त, आशा वर्कर यूनियन जिला प्रधान बंटी, सचिव सुशीला, उप प्रधान सुनीता , सीमा , सह सचिव सुनीता, नरेश, कविता, लक्ष्मी, बबीता, आशा , सुमन आदि जिला कमेटी सदस्यों ने किया। अखिल भारतीय किसान सभा के जिला प्रधान डॉक्टर सुरेंद्र मलिक ने आशा ऑन के प्रदर्शन को संबोधित करते हुए उनकी मांगों का समर्थन किया और केंद्र सरकार से मांग की की तुरंत आशा वर्कर्स की मांगों को पूरा किया जाए। *सीटू राज्य सचिव सुनील दत्त ने विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र व राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि बेटी पढ़ाओ , बेटी बचाओ का नारा लगाने वाली यह सरकार व्यवहार में महिलाओं का शोषण कर रही है। देश की आशा वर्कर लाखों की संख्या में देश की जनता की सेवा कर रही है। करोना महामारी के समय जान हथेली पर रखकर देश की सेवा की और जिसकी प्रशंसा विश्व स्वास्थ्य संगठन ने की। लेकिन सरकार आशा वर्कर्स का आर्थिक और मानसिक शोषण कर रही है। 24 घंटे कभी भी आशा वर्कर्स अपनी सेवाएं देने के लिए तत्पर रहती है दिन हो या रात।

पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी का राष्ट्रसमर्पित जीवन प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत':डॉ. कमल गुप्ता

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 06 जुलाई । भाजपा जिला कार्यालय में आज पूर्व स्वास्थ्य एवं नागरिक उड्डयन मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने जनसंवाद कार्यक्रम के अंतर्गत आमजन की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर अनेक समस्याओं का मौके पर ही समाधान करवाया। इस दौरान बड़ी संख्या में नागरिक अपनी व्यक्तिगत एवं जनहित से जुड़ी समस्याएं लेकर पहुंचे। डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि जनसेवा ही जनप्रतिनिधि का सबसे बड़ा दायित्व है और प्रत्येक नागरिक की समस्या का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है।

जनसंवाद कार्यक्रम के उपरांत भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष एवं प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, महान शिक्षाविद् और बलिदानी नेता पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

इस अवसर पर डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने देश को यह संदेश दिया कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है तथा राष्ट्रीय एकता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। जम्मू-कश्मीर में लागू पृथक व्यवस्था के विरोध में उनका ऐतिहासिक उद्घोष– 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे'– आज भी प्रत्येक राष्ट्रभक्त के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए संघर्ष करते हुए पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया।

महाराजा अग्रसेन जी ने छोटे व बड़े की दूरी को खत्म करने का काम किया : बजरंग गर्ग

अग्रोहा धाम में माता लक्ष्मी जी व महाराजा अग्रसेन जी का शक्तिपीठ बना हुआ है- बजरंग गर्ग

» हरियाणा, यूटर्न/ 06 जुलाई ।

वैश्य समाज के प्रतिनिधियों की मीटिंग नरवाना एस डी कॉलेज में अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुई। इस मीटिंग में अग्रोहा धाम की इकाई का विस्तार करने पर विचार किया गया। अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा कि अग्रोहा धाम की इकाई का विस्तार राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर पर किया जा रहा है। अग्रोहा धाम में माता लक्ष्मी जी व महाराजा अग्रसेन जी का शक्तिपीठ बना हुआ है। जहां पर सभी देवी- देवताओं के विशाल मंदिर बने हुए हैं। बजरंग गर्ग ने कहा कि अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों पर चलकर राष्ट्र व जनता की हित में कार्य कर रहा है। यहां तक की अग्रवाल समाज के व्यक्तियों ने व्यापार व उद्योग जगत में अपनी अलग पहचान बनाई है। इतना ही नहीं अग्रवाल समाज ने व्यापार व उद्योग जगत में विश्व स्तर पर काम को फैलाने का काम किया, जिसका लाभ केंद्र व प्रदेश सरकार को भी मिलता है। बजरंग गर्ग ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी ने समाजवाद को बढ़ावा देते हुए हर जरूरतमंद को ऊंचा उठाने का काम किया। महाराजा अग्रसेन जी की नगरी में जो भी जरूरतमंद आता था उसे हर घर से सहयोग किया जाता था। यहां तक की महाराजा अग्रसेन जी ने छोटे व बड़े की दूरी को खत्म करने का काम किया। उनकी नगरी में जो भी गरीब व जरूरतमंद आता था उसकी हर घर से एक ईट व एक मुद्रा देकर सहयोग किया जाता था ताकि जरूरतमंद व्यक्ति ईट से अपना मकान बनाकर रह सकें और मुद्रा से व्यापार करके अपने परिवार का अच्छे ढंग से पालन पोषण कर सकें। हम सबको भी एक जुट होकर जनता की सेवा करनी चाहिए। ताकि हमारा देश पहले से ज्यादा तरक्की कर सकें।

कोरी रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम से कानपुर के सत्या में मिल रही घुटने की समस्या से पूर्ण निजात

» सुनील बाजपेई

कानपुर, यूटर्न/ 06 जुलाई । आज विश्व में तेजी बढ़ती हुई बीमारी गठिया के खिलाफ सर्वाधिक सफलता का पूर्ण श्रेय उस अत्याधुनिक कोरी रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम को जाता है ,जिसमें रोबोटिक टोटल नी यानी घुटना रिसरफ्रेसिंग के प्रयोग के फलस्वरूप केवल छोटा चीरा ही लगता है। रक्तस्राव भी कम होता है। मांस पेशियों को भी कोई नुकसान नहीं होता। उनका पूरी तरह से बचाव होता है। साथ ही फि जीओथेरपी भी नहीं करानी पड़ती। उससे भी बचाव होता है। यह तकनीक मरीज को न केवल तुरंत चलने फिरने में बल्कि कम पर वापस जाने में भी सफलता प्रदान करती है। जहां तक तकनीक के अंतिम परिणाम का सवाल है। मरीज का घुटना वैसा ही नॉर्मल होता है, जैसा कि कभी जवानी में हुआ करता था।

यह दावा यहां एक पत्रकार वार्ता में लगभग 25 हजार से ज्यादा सर्जरी करके एक बड़ा कीर्तिमान स्थापित करने वाले बर्रा 6 स्थित सत्य हॉस्पिटल के डायरेक्टर हड्डी रोगों के साथ ही रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट के भी विशेषज्ञ डॉ.अमित कुमार अग्रवाल ने किया।

अत्याधुनिक कोरी रोबोटिक तकनीक से रियल टाइम टोटल नी (घुटना) रिसरफ्रेसिंग की सुविधा विश्व स्तरीय आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण सत्या हॉस्पिटल में भी उपलब्ध होने की जानकारी देते हुए रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट विशेषज्ञ डॉ.अमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि यह आधुनिक तकनीक प्रत्येक मरीज की शारीरिक संरचना के अनुसार व्यक्तिगत सर्जिकल योजना बनाने में सहायता करती है तथा ऑपरेशन के दौरान वास्तविक समय (रियल टाइम) में सटीक जानकारी भी उपलब्ध कराती है।

एक सवाल के जवाब में गठिया, नी रिप्लेशमेंट, हिप रिप्लेशमेंट, आर्थोस्कोपिक सर्जरी जैसे जटिल ऑपरेशन कर मरीजों को शत प्रतिशत लाभ पहुंचाने वाले डॉक्टर ए के अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि रोबोट स्वयं ऑपरेशन नहीं करता, बल्कि सर्जन के नियंत्रण में कार्य करते हुए सर्जरी की सटीकता बढ़ाने में सहायता करता है।

बूढे व वृद्ध लोगों के गठिया जैसी बीमारी का सफल घुटना प्रत्यारोपण या अन्य ऑपरेशन से उन्हें न केवल अपनी सामान्य जिदंगी प्रदान करने बल्कि उन्हें नौजवान भी महसूस कराने वाले विश्व प्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉक्टर एके अग्रवाल ने बताया कि इस नई तकनीक के प्रयोग से छोटा चीरा, कम रक्तस्राव, मांस पेशियों को बचाव, फि जीओथेरपी से बचाव, तुरंत चलना व काम पर वापस जाना तथा जवानी के दिनों जैसा पूरी तरह नोर्मल घुटना प्राप्त करने जैसे अनेक लाभ होते हैं। उन्होंने बताया कि सत्या हॉस्पिटल में कोरी सिस्टम द्वारा प्रथम रोबोटिक घुटना रिसरफ्रेसिंग लंबे समय से गंभीर घुटना गठिया से पीड़ित चलने फिरने में असमर्थ 75 वर्षीय सुश्री सतीश सचदेवा का सफलतापूर्वक किया गया। उनकी पुनर्वास प्रक्रिया चिकित्सकीय निगरानी में प्रारम्भकी जाएगी। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि रोबोटिक तकनीक आधुनिक जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी में सटीकता और व्यक्तिगत उपचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में मीडिया प्रतिनिधियों को भी सी ओ आर आई रोबोट का लाइव प्रदर्शन एवं इसकी कार्यप्रणाली भी दिखाई गई। इस दौरान जानी मानी स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मनीषा अग्रवाल ने आगतों का आभार व्यक्त किया।

डॉ. अंबेडकर फेडरेशन में बड़ा बदलाव, प्रो. हंसराज सुमन बने नए अध्यक्ष

नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 जुलाई । डॉ. भीमराव अंबेडकर फेडरेशन फॉर सोशल जस्टिस की रविवार को रोहिणी सेक्टर-16 में आयोजित आमसभा की बैठक में संगठन के नेतृत्व में बड़ा बदलाव किया गया। लगातार बैठकों से अनुपस्थित रहने और संगठनात्मक कार्यों में निष्क्रियता के आरोपों के बीच आमसभा ने डॉ. करतार सिंह को अध्यक्ष पद से हटाते हुए शिक्षाविद, लेखक एवं मीडिया विश्लेषक प्रोफेसर हंसराज सुमन को सर्वसम्मति से नया अध्यक्ष नियुक्त किया। बैठक में पिछले महीने की गतिविधियों और संगठन के विस्तार की समीक्षा की गई। फेडरेशन के महासचिव डॉ. राम कुमार त्रेहन ने प्रस्ताव रखते हुए कहा कि डॉ. करतार सिंह लंबे समय से बैठकों में शामिल नहीं हो रहे थे।

हर सवाल का जवाब लाज़िमी नहीं होता , कुछ खामोशियाँ ही सबसे गहरा जवाब होती हैं : गीता ग्रोवर

» हरियाणा, यूटर्न/ 06 जुलाई ।

कई बार मैं अक्सर लोगो को बहस करते हुए देखती हूँ तो लगता हैं कि लोगों को बहुत बहस करने की आदत होती है। लेकिन अगर उन्हीं के बीच कोई एक व्यक्ति चुप रहता है । तो वह सभी बोलने वालों की बातों को झुठला देता हैं उसकी खामोशी मौन की शक्ति को दशार्ती है । वह व्यर्थ में की गई बातों का खंडन करती है। यहां तक की विवाद को भी समाप्त कर देती है। क्योंकि उसकी खामोशी में एक अद्भुत शक्ति होती है। वह बहस करके आग में घी डालने का काम नहीं करता। बल्कि चुप रहकर बहस के बीच बढ़ने वाली उलझन को कम कर देता है। वैसे कहावत भी है 'एक चुप सौ सुख' अर्थात मौन में ही सैंकड़ो सुख छिपे हैं। चुप रहने वाला व्यक्ति अपनी ऊर्जा की बचत करता है। व्यर्थ में अपना दिमाग और ऊर्जा खर्च नहीं करतो बल्कि वह सही कामों पर अपना ध्यान केंद्रित कर पाता है। उसके अनुसार हर बात का जवाब शब्दों में देना आवश्यक नहीं होता। बल्कि उसकी चुप्पी का और सहनशीलता का असर सामने वाले के अहंकार और गलतफहमियों को खुद ब खुद झुठला देता हैं। मगर चुप रहने के लिए अत्यंत सब्र की आवश्यकता होती है। आपका सब्र दशार्ता है, कि आप में क्रोध और परिस्थितियों को संभालने की कितनी अधिक क्षमता है ।ऐसा करने से आप लोगों के दिलों पर गहरी छाप भी छोड़ जाते हैं । हालांकि आपके मौन को कुछ लोग आपकी कमजोरी समझते हैं। लेकिन यह आपकी मानसिक परिपक्वता और चरित्र की सबसे बड़ी ताकत होती है। याद रखो कि तुम जितना कम बोलोगे, लोग तुम्हें उतना अधिक सुनना चाहेंगे और अगर कहीं आप विचारों के और लेखनी के जादूगर हैं। तब तो सोने पर सुहागा हो जाता हैआप अपने दिल की आवाज अपने विचारों को बड़ी शांति से कागज पर उतार सकते है। लोगों तक पहुंचा सकते हैं। आजकल तो बहुत से प्लेटफार्म हैं, जहां आपकी लेखनी बोल सकती है। फिर चाहे आप लेख लिखें, कविता लिखें, या शायरी आपके शब्दों का जादू लोगों पर चल ही जाता है। कुछ लोग भले ही आपके काम को पसंद ना करें मगर अधिकतर लोग आपके विचारों से सहमत होने लगते हैं ।

बस आप साहित्य को अपना मित्र बनाएं और गीत हों, गजल हों या कोई जज्बात हों, हर एक विधा में अपने मन की बात लिखते जाऐं अतः चुप रहिए । बोलिए कम और सुनिए ज्यादा और सौ बहस करने वाले लोगों को हराइए ।

साधारण कार्यकर्ता को बड़े से बड़ा सम्मान भाजपा ने दिया है जिसका उदाहरण मैं स्वयं हूं: डॉ . बनवारी लाल

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 06 जुलाई। हरियाणा सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ बनवारी लाल ने कहा है कार्यकर्ता के लिए पार्टी सर्वोपरि है उनको पार्टी ने 2014 और 2019 में विधायक बनाया फिर मनोहर लाल व नायब सैनी सरकार में मंत्री बनाया गया। 2024 के चुनाव में पार्टी ने टिकट बदलने का काम किया तब भी पार्टी संगठन के काम में तन मन धन से जुटे हैं क्योंकि साधारण से साधारण कार्यकर्ता को बड़े से बड़ा चाहे विधायक मंत्री सांसद और अन्य वरिष्ठ पदों पर समायोजित करने का काम भाजपा कर रही है डॉ बनवारी लाल आज यहां भाजपा अनुसूचित मोर्चे के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सूरजभान कटारिया के प्रतिष्ठान में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास की नीति पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी कार्य कर रहे हैं। पिछले दिनों पार्टी के चुनाव प्रचार में दिल्ली, असम, बिहार आदि राज्यों में अहम जिम्मेदारियां निभा कर जीत दिलाने का कार्य करने वाले डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि पार्टी संगठन में उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला है और अनेक अनुभव लगातार मिल रहे हैं। पिछले दिनों रेवाड़ी जिले के बावल विधानसभा क्षेत्र में जहां से डॉ. बनवारी लाल दो बार विधायक रहे हैं वहां मुख्यमंत्री की जनसभा में सांसद, मंत्री एवं जिले के तीनों भाजपा विधायकों के नहीं पहुंचने पर कांग्रेस के द्वारा लगाए जा रहे पार्टी में भारी फुट के बारे में उन्होंने कहा कि यह मामला भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और प्रदेश नेतृत्व के संज्ञान में है वह इस पर कुछ कहना नहीं चाहते हैं।

अवतार सिंह तारी मर्डर केसः राजनीतिक माहौल के बीच ठंडे पड़े मामले में नई हलचल

संदीप शर्मा

नामधारी पंथ के पदाधिकारी अवतार सिंह तारी की हत्या के लगभग 15 साल बाद उइक का एक संदिग्ध का स्केच जारी करने का फैसला एक पुराने सवाल को फिर से उठाता है: अब क्यों? इस समय पर ऐसा करने से अटकलें लगना स्वाभाविक है, खासकर इसलिए क्योंकि पंजाब में एक और विधानसभा चुनाव होने वाला है और नामधारी पंथ पंजाब, हरियाणा और विदेशों में अनुयायियों के साथ एक प्रभावशाली सामाजिक-धार्मिक शक्ति बना हुआ है। एक अनुमान के मुताबिक, पंजाब में कई लाख नामधारी अनुयायी रहते हैं। साफ तौर पर कहें तो, किसी ठंडे पड़े मामले को फिर से खोलने में कुछ भी गलत नहीं है। असल में, अनसुलझी हत्याओं को कभी भी भुलाया नहीं जाना चाहिए। न्याय की कोई समय-सीमा नहीं होती। फोरेंसिक साइंस में तरक्की, नई खुफिया जानकारी या कोई नया गवाह उन जांचों में नई जान डाल सकता है जिन्हें कभी बंद मान लिया गया था। पीड़ितों के परिवार जवाब पाने के हकदार हैं, चाहे कितना भी समय क्यों न बीत गया हो। लेकिन जब जांच एजेंसियां सालों की चुप्पी के बाद अचानक सक्रिय हो जाती हैं, खासकर राजनीतिक रूप से संवेदनशील समय पर, तो सवाल उठना स्वाभाविक है। उइक ने 2017 में तारी मर्डर केस की जांच अपने हाथ में ली थी। उसके बाद लगभग एक दशक तक कोई खास हलचल नहीं दिखी। अचानक, एक संदिग्ध हमलावर का स्केच जारी किया गया और जानकारी देने वाले के लिए 2 लाख रुपये के इनाम की घोषणा की गई। अगर यह स्केच उन सबूतों पर आधारित है जो सालों पहले मौजूद थे, तो इसे पहले सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया? अगर यह नए सबूतों पर आधारित है, तो एजेंसी ने यह क्यों नहीं बताया कि क्या बदला है? तारी मर्डर केस को लंबे समय से सतगुरु जगजीत सिंह की मृत्यु के बाद नामधारी पंथ के भीतर उत्तराधिकार के कड़वे विवाद के नजरिए से देखा जाता रहा है। पुलिस ने इस हत्या को उस आंतरिक संघर्ष से जोड़ा था, और बाद की घटनाओं - जिसमें 2016 में माता चंद कौर की हत्या और प्रतिद्वंद्वी दावेदार ठाकुर दिलीप सिंह से जुड़ी कानूनी कार्यवाही शामिल है - ने इस धारणा को और मजबूत किया है कि यह एक सामान्य आपराधिक मामले से कहीं ज्यादा गंभीर मामला था। इस पृष्ठभूमि में, जांच में किसी भी नई तेजी के राजनीतिक मायने निकाले जाते हैं। कुछ हलकों में इस ताजा कदम को चुनावों से पहले भैनी साहिब प्रतिष्ठान तक पहुँचने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। ठंडे पड़े मामलों की प्रकृति ही ऐसी होती है कि उन्हें सुलझाना मुश्किल होता है। गवाह गायब हो जाते हैं, यादें धुंधली पड़ जाती हैं, सबूत खराब हो जाते हैं और संदिग्ध अक्सर अपनी पहचान बदल लेते हैं। फिर भी इतिहास गवाह है कि कई दशकों पुराने अपराधों को आखिरकार किस्मत के बजाय लगातार कोशिशों से सुलझाया गया है। इसलिए, जांच की नई कोशिशों का स्वागत करने के हर कारण मौजूद हैं। हालांकि, पुरानी फाइलों को फिर से खोलने का काम सिर्फ. राजनीतिक रूप से सुविधाजनक मौकों तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। अगर देर से मिलने वाले न्याय को असल न्याय में बदलना है, तो जांच का आधार सबूत होने चाहिए--न कि चुनावी कैलेंडर, बदलते राजनीतिक समीकरण या असरदार वोट-बैंक बनाने की चाहत।

बरसा आसमान का कहर

लंबे इंतजार के बाद मानसून ने दिखाया रौद्र रूप, देशभर में जनजीवन अस्त-व्यस्त

सबसे अधिक असर महाराष्ट्र में देखने को मिला। रायगढ़ जिले के जेनिथ वॉटरफॉल पर घूमने पहुंचे करीब 100 पर्यटक अचानक पानी का स्तर बढ़ जाने से बीच में फंस गए। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि प्रशासन को तत्काल राहत एवं बचाव दल भेजना पड़ा। रस्सियों की सहायता से सभी पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। यह घटना बताती है कि मानसून के दौरान प्राकृतिक पर्यटन स्थलों पर थोड़ी-सी लापरवाही भी जानलेवा साबित हो सकती है। वहीं मुंबई महानगर और उसके आसपास के इलाकों में लगातार बारिश ने शहर की रफ्तार थाम दी। वसई और नालासोपारा की सड़कें नदी में तब्दील हो गईं, जहां लगभग 20 कारें पानी में डूब गईं। कई स्थानों पर वाहन बहने लगे।

कांतिलाल मांडोत

लंबे इंतजार के बाद जब मानसून ने पूरे देश में दस्तक दी तो लोगों के चेहरों पर खुशी थी। भीषण गर्मी और पानी के संकट से जूझ रहे करोड़ों लोगों को उम्मीद थी कि बारिश राहत लेकर आएगी, खेतों में हरियाली लौटेगी और जलस्रोत भर जाएंगे। लेकिन इस बार मानसून ने राहत से ज्यादा आफत का रूप दिखाया। देश के अनेक राज्यों में मूसलाधार बारिश ने बाढ़, जलभराव, भूस्खलन और हादसों का ऐसा सिलसिला शुरू कर दिया कि जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया। कई स्थानों पर लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा, सैकड़ों गांवों का संपर्क टूट गया, सड़कें नदियों में बदल गईं और करोड़ों रुपये की संपत्ति पलभर में तबाह हो गई। सबसे अधिक असर महाराष्ट्र में देखने को मिला। रायगढ़ जिले के जेनिथ वॉटरफॉल पर घूमने पहुंचे करीब 100 पर्यटक अचानक पानी का स्तर बढ़ जाने से बीच में फंस गए। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि प्रशासन को तत्काल राहत एवं बचाव दल भेजना पड़ा। रस्सियों की सहायता से सभी पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। यह घटना बताती है कि मानसून के दौरान प्राकृतिक पर्यटन स्थलों पर थोड़ी-सी लापरवाही भी जानलेवा साबित हो सकती है। वहीं मुंबई महानगर और उसके आसपास के इलाकों में लगातार बारिश ने शहर की रफ्तार थाम दी। वसई और नालासोपारा की सड़कें नदी में तब्दील हो गईं, जहां लगभग 20 कारें पानी में डूब गईं। कई स्थानों पर वाहन बहने लगे। मुंबई में 64 पेड़ गिरने और आठ मकानों की दीवारें ढहने की घटनाएं सामने आईं। आरे कॉलोनी में पेड़ की टहनी गिरने से बाइक सवार 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जिसने बारिश के बीच सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए। पुणे में लगातार बारिश के कारण एक रिहायशी सोसायटी की चहारदीवारी ढह गई, जिससे पार्किंग में खड़ी सात कारें और सात मोटरसाइकिलें मलबे में दब गईं। ठाणे में पाइपलाइन फटने से सड़कें जलमग्न हो गईं। जगह-जगह जलभराव के कारण लोगों को घंटों ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ा। रेल और सड़क यातायात भी प्रभावित हुआ। महानगर की पुरानी जल निकासी व्यवस्था एक बार फिर भारी बारिश के सामने बेबस नजर आई।

गुजरात में भी मानसून ने जमकर तबाही मचाई। जूनागढ़ में कई रिहायशी इलाकों में चार-चार फुट तक पानी भर गया। हालात ऐसे हो गए कि लोगों को नावों के सहारे सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया। बच्चों को स्कूल जाने और लोगों को दैनिक कार्यों के लिए नाव का सहारा लेना पड़ा। भावनगर में तेज बहाव में एक कार बह गई। अहमदाबाद सहित कई शहरों में सड़कें जलमग्न हो गईं और सामान्य जीवन प्रभावित हो गया। दुकानों, घरों और छोटे व्यवसायों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में मात्र आधे घंटे की बारिश ने पूरे शहर की तस्वीर बदल दी। कई इलाकों में घरों के भीतर घुटनों तक पानी भर गया। टाटीबंध सहित अनेक कॉलोनियों में लोगों का घरेलू सामान खराब हो गया। बिजली व्यवस्था प्रभावित हुई और लोगों को रातभर परेशानी का सामना करना पड़ा। कई परिवारों को अपने घर छोड़कर रिश्तेदारों या सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। बारिश का पानी घरों में घुसने से छोटे बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

मध्य प्रदेश में भी मानसून का असर बेहद गंभीर रहा। कई जिलों में नदियां उफान पर पहुंच गईं और पुलों के ऊपर से पानी बहने लगा। श्योपुर जिले में आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि उसकी बेटी गंभीर रूप से झुलस गई। आष्टा क्षेत्र में डूबने से दो मासूम बच्चों की जान चली गई। हरदा जिले में नदी का जलस्तर इतना बढ़ गया कि पुलों पर आवागमन रोकना पड़ा। कई गांवों का संपर्क मुख्य मार्गों से कट गया।

उत्तर प्रदेश में कानपुर सहित कई शहरों में सड़कें जलमग्न हो गईं। घुटनों तक पानी भरने से लोगों को आवागमन में भारी परेशानी हुई। वहीं पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और पूर्वोत्तर राज्यों में भी लगातार बारिश के कारण प्रशासन को अलर्ट जारी करना पड़ा। हिमाचल और उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। जम्मू-कश्मीर में लगातार बारिश के चलते बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ, जिससे सड़कें बंद हो गईं और यातायात बाधित हो गया।

विश्व क्षमा दिवस आत्मशुद्धि और मानवता का अमृत पर्व

क्षमा से ही खिलता है जीवन का सच्चा सौंदर्य

हर वर्ष 7 जुलाई को विश्व क्षमा दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को पुराने मतभेदों, कटु स्मृतियों और वैरभाव को भुलाकर स्वयं तथा दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रेरित करना है। वर्ष 1994 में कनाडा में क्राइस्ट्स एंबेसडर्स क्रिश्चियन एंबेसी द्वारा इस दिवस की शुरूआत की गई थी। आज यह दिन केवल किसी एक देश या समुदाय तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरी दुनिया में शांति, प्रेम, सहिष्णुता और मानवीय मूल्यों का संदेश देने वाला अवसर बन चुका है। आधुनिक जीवन की भागदौड़, तनाव, प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ के बीच क्षमा का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। यह केवल एक शब्द नहीं बल्कि जीवन को प्रकाशमान करने वाली ऐसी साधना है, जो व्यक्ति के भीतर के अंधकार को समाप्त कर देती है।

क्षमा का अर्थ केवल किसी से औपचारिक रूप से यह कह देना नहीं कि मैं तुम्हें क्षमा करता हूँ। वास्तविक क्षमा हृदय की अनुभूति है। जब मन से क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष और प्रतिशोध का भाव समाप्त हो जाता है, तभी सच्ची क्षमा जन्म लेती है। क्षमा अंतरात्मा का वह प्रकाश है जो मनुष्य को भीतर से निर्मल और शांत बनाता है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में क्षमा को धर्म, तप और महानता का प्रतीक माना गया है। शास्त्रों में कहा गया है कि क्षमा वीरस्य भूषणम्, अर्थात क्षमा वीरों का आभूषण है। जो स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेता है, वही वास्तव में दूसरों को क्षमा करने की क्षमता रखता है।

विश्व क्षमा दिवस का महत्व केवल आध्यात्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अनेक स्वास्थ्य अध्ययनों में यह प्रमाणित हो चुका है कि क्षमा करने वाला व्यक्ति तनाव, चिंता और अवसाद से अपेक्षाकृत जल्दी मुक्त हो जाता है। जब मन में कटुता रहती है तो उसका प्रभाव शरीर पर भी पड़ता है। रक्तचाप बढ़ता है, नींद प्रभावित होती है और मन अशांत बना रहता है। इसके विपरीत क्षमा का भाव मानसिक शांति, सकारात्मक सोच और भावनात्मक संतुलन प्रदान करता है। इसलिए क्षमा केवल दूसरों के लिए नहीं बल्कि स्वयं के लिए भी सबसे बड़ा उपहार है।

भारतीय संस्कृति में क्षमा की परंपरा अत्यंत प्राचीन और समृद्ध रही है। विशेष रूप से जैन धर्म में क्षमा को आत्मशुद्धि का सर्वोच्च साधन माना गया है। चातुर्मास के दौरान आने वाले पर्यूषण पर्व के समापन पर संवत्सरी महापर्व मनाया जाता है। इस दिन प्रत्येक जैन श्रद्धालु अपने द्वारा जाने-अनजाने में हुई सभी भूलों के लिए सभी प्राणियों से क्षमा याचना करता है। वह विनम्र भाव से कहता है– मिच्छामि दुक्कडम्, अर्थात यदि मुझसे मन, वचन या कर्म से कोई भूल हुई हो तो मुझे क्षमा करें। इसी भावना को प्राकृत गाथा में व्यक्त किया गया है–

खामेमि सव्वे जीवा, सव्वे जीवा वि खमंतु में।
मित्ति में सव्व भूएसु, वेरं मज्झं न केणइ॥

इसका भावार्थ है कि मैं सभी जीवों से क्षमा मांगता हूँ, सभी जीव मुझे क्षमा करें। मेरा सभी प्राणियों के साथ मैत्रीभाव है और किसी के प्रति कोई वैर नहीं है। यह संदेश केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए शांति का सूत्र है।

क्षमा का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होता है जब हम केवल अपने प्रियजनों से ही नहीं बल्कि उन लोगों से भी क्षमा मांगें या उन्हें क्षमा करें जिनसे हमारे संबंधों में कटुता आ गई हो। अक्सर देखा जाता है कि लोग औपचारिक रूप से क्षमायाचना का संदेश भेज देते हैं, लेकिन मन में द्वेष बनाए रखते हैं। ऐसी क्षमा केवल शब्दों तक सीमित रहती है। सच्ची क्षमा वही है जो हृदय की गहराइयों से निकले और संबंधों में नई मधुरता का संचार करे। यदि हम अपने विरोधी के प्रति भी मैत्रीभाव रख सकें, तभी क्षमा का वास्तविक स्वरूप प्रकट होता है। जीवन में कषाय अर्थात क्रोध, मान, माया और लोभ ही अधिकांश दुखों का कारण बनते हैं। जैन आगमों में कहा गया है कि कषाय ही कर्मों का मूल कारण है। इसलिए मनुष्य को अपने भीतर उठने वाले क्रोध और अहंकार को शीघ्र समाप्त कर देना चाहिए। परिवार और समाज में अधिकांश विवाद छोटी-छोटी बातों से प्रारंभ होते हैं, लेकिन यदि समय रहते क्षमा और संवाद का मार्ग अपनाया जाए तो बड़े से बड़ा विवाद भी समाप्त हो सकता है। क्षमा संबंधों को जोड़ती है, जबकि अहंकार उन्हें तोड़ देता है। इतिहास और धर्मग्रंथों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहाँ क्षमा ने असंभव प्रतीत होने वाली परिस्थितियों को भी बदल दिया।

चिंतन-मनन : जीवन और मृत्यु

चीन में लाओत्से के समय में ऐसी प्रचलित धारण थी कि आदमी के शरीर में नौ छेद होते हैं। उन्हीं नौ छेदों से जीवन प्रवेश करता है और उन्हीं से बाहर निकलता है। दो आंखें, दो नाक के छेद, मुंह, दो कान, जननेंद्रिय, गुदा। इसके साथ चार अंग हैं- दो हाथ और दो पैर। सब मिला कर तेरह। यही तेरह अंग जीवन के साथी हैं और मृत्यु के भी साथी हैं। यही तेरह जीवन में लाते हैं और यही जीवन से बाहर ले जाते हैं। तेरह का मतलब यह पूरा शरीर। इन्हीं से तुम भोजन करते हो; इन्हीं से जीवन पाते हो; इन्हीं से उठते-बैठते और चलते हो। यही तुम्हारे स्वास्थ्य का आधार हैं और यही मृत्यु का भी आधार होंगे। क्योंकि जीवन और मृत्यु एक ही चीज के दो नाम हैं। इन्हीं से जीवन तुम्हारे नाम आएगा, इन्हीं से बाहर जाएगा। इन्हीं से शरीर के भीतर खड़े हो। इन्हीं के साथ शरीर टूटेगा, इनके द्वारा ही टूटेगा। हैरानी की बात है। यही तुम्हें संभालते हैं और यही मिटाएंगें। भोजन तुम्हें जीवन देता है, शक्ति देता है और भोजन की शक्ति से अपने भीतर की मृत्यु को बड़ा किये चले जाते हो। भोजन तुम्हें बुढ़ापे तक पहुंचा देगा, मृत्यु तक पहुंचा देगा। आंख, नाक, कान से जीवन की श्वास भीतर आती है। उन्हीं से बाहर जाती है। नौ द्वार और चार अंग। लाओत्से कहता है- तेरह ही जीवन के साथी, तेरह ही मौत के साथी। ये तेरह ही ले जाते हैं। अगर तुम सजग हो जाओ तो तुम चौदहवें हो। इन तेरह के पार हो। इस तेरह की संख्या के कारण चीन और फिर धीरे-धीरे सारी दुनिया में, तेरह का आंकड़ा अपशकुन हो गया। इस सुपरस्टीशन की पैदाइश चीन में हुई। अमेरिका में होटलों में तेरह नंबर का कमरा नहीं होता; तेरह नंबर की मंजिल भी नहीं होती। क्योंकि कोई तेरह नंबर पर ठहरने को राजी नहीं है। तेरह शब्द से ही घबराहट होती है। बारह नंबर के कमरे के बाद चौदह नंबर आता है। असल में होता तो वह तेरहवां ही है, लेकिन जो ठहरता है, उसे चौदह याद रहता है। तेरह की चिंता नही पकड़ती। चीन में बड़े अर्थपूर्ण कारण से यह विश्वास फैला। तेरह अपशकुन है। तुम चौदहवें हो और तुम्हें चौदहवें का कोई पता भी नहीं। तुम न जीवन हो, न मौत। तुम दोनो के पार हो। अगर इन तेरह के प्रति सजग हो जाओगे, पृथक हूं, मै अन्य हूं। शरीर और, मैं और। और यह जो भीतर भिन्नता, शरीर से अलग चैतन्य का अविर्भाव होगा, इसकी न कोई मृत्यु है, न कोई जीवन है। यह न कभी पैदा हुआ, न कभी मरेगा।

गल्फ देशों की मांग से पोलाची का नारियल निर्यात बढ़ा, ढुलाई लागत अब भी चिंता में

» कोयंबटूर, यूटर्न/ 06 जुलाई ।

तमिलनाडु के सबसे बड़े नारियल उत्पादन क्षेत्र पोलाची से नारियल के निर्यात में फिर से तेजी आने के संकेत मिल रहे हैं। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव कम होने और खाड़ी देशों से मांग दोबारा बढ़ने से किसानों और निर्यातकों को बड़ी राहत मिली है। पिछले कई महीनों से कारोबार प्रभावित था, लेकिन अब स्थिति में सुधार दिखाई दे रहा है। खाड़ी देशों के प्रमुख बाजारों से नारियल निर्यात के लिए नई पूछताछ आने लगी है। इससे विदेशी व्यापार फिर से पटरी पर लौट रहा है, जो पश्चिम एशिया में संघर्ष के दौरान लगभग पूरी तरह

ठप हो गया था।

पोलाची से बड़ी मात्रा में नारियल खाड़ी देशों में निर्यात किया जाता है। लेकिन पिछले तीन महीनों में निर्यात में भारी गिरावट आई, जिससे व्यापारियों और किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ा।

हालांकि, नारियल का निर्यात फिर से शुरू हो गया है, लेकिन इस क्षेत्र के सामने अभी भी कई चुनौतियां हैं। संघर्ष के दौरान माल ढुलाई का किराया काफी बढ़ गया था। अब इसमें कुछ कमी आई है, लेकिन यह अभी भी सामान्य से काफी ज्यादा है। शिपिंग का खर्च बढ़ने और माल की ढुलाई में देरी होने से निर्यातकों को भारी नुकसान हुआ। कई खेपें अपनी मंजिल तक पहुंचने से पहले ही खराब हो गईं।

इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को उम्मीद है कि मांग बढ़ने के साथ आने वाले हफ्तों में नारियल का निर्यात धीरे-धीरे पहले की तरह सामान्य हो जाएगा। इस रुकावट से पहले पोलाची के निर्यातक कोच्चि बंदरगाह के जरिए हर दिन नारियल से भरे कई कंटेनर खाड़ी देशों में भेजते थे। लेकिन पिछले करीब तीन महीनों तक बंदरगाह से निर्यात का काम लगभग ठप रहा।

निर्यात लंबे समय तक बंद रहने से घरेलू बाजार में नारियल की सप्लाई बढ़ गई। इससे नारियल की कीमतों में भारी गिरावट आई। पिछले साल इसी समय नारियल का भाव करीब 65,000 रुपये प्रति टन था, जो अब घटकर लगभग 40,000 रुपये प्रति टन रह गया है। इस साल बंपर पैदावार से बाजार में नारियल की आवक बढ़ गई, जिससे कीमतों पर और दबाव पड़ा।

सोना 189 रुपए टूटकर 1,47,189 पर, चांदी में 1179 रुपए की गिरावट

मुंबई, यूटर्न/ 06 जुलाई । सोने और चांदी के खरीदारों के लिए यह सप्ताह एक सुनहरा अवसर लेकर आ सकता है। सोमवार को घरेलू वायदा बाजार में इन कीमती धातुओं की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे निवेश का माहौल तैयार हो गया है। हालांकि, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में ये धातुएं तेजी के साथ कारोबार कर रही थीं, जो आने वाले समय में मजबूती का संकेत दे रहा है। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को एमसीएक्स पर 10 ग्राम सोना 189 रुपए टूटकर 1,47,189 रुपए पर कारोबार कर रहा था। वहीं एक किलोग्राम चांदी की कीमत में 1179 रुपए की गिरावट आई और यह 2,36,231 रुपए पर आ गई। इस गिरावट के बावजूद, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी में तेजी देखी गई। विशेषज्ञों के अनुसार, सोने की कीमतें इस सप्ताह मजबूत बनी रहने की संभावना है। निवेशकों की नजर अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों पर रहेगी, साथ ही वे अमेरिका और अन्य प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों पर भी करीब से ध्यान देंगे। जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज के प्रणव मेर का मानना है कि घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में सोने को समर्थन मिलने की पूरी संभावना है, हालांकि वैश्विक घटनाक्रम और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से कीमतों पर असर पड़ सकता है।

वैश्विक उथल-पुथल के बीच भारतीय शेयरों में रिटेल की मजबूत वापसी

नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 जुलाई । वित्तीय वर्ष 2026 की पहली छमाही में भारतीय शेयर बाजार में खुदरा निवेशकों ने मजबूत वापसी की है। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में शुद्ध निवेश 57,203 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले की इसी अवधि में दर्ज किए गए मात्र 1,884 करोड़ रुपये से कहीं अधिक है। यह वृद्धि वैश्विक अनिश्चितता के बावजूद निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी को दर्शाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, जून में भू-राजनीतिक तनाव कम होने से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। हालांकि, यह वापसी 2025 में देखी गई 1,715 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली के बाद हुई है, जो 2024 में 1.67 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड शुद्ध खरीदारी के विपरीत थी। जून में बेंचमार्क निफ्टी में 1.3 फीसदी से अधिक की बढ़त हुई और जुलाई की शुरूआत में भी यह तेजी कायम है। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई), जैसे म्युचुअल फंड, ने भी पहली छमाही में अपनी खरीदारी जारी रखी। उन्होंने 4.7 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया, जो 2025 की पहली छमाही के 3.57 लाख करोड़ रुपये से काफी अधिक है। हालांकि, वैश्विक अस्थिरता के कारण आईपीओ बाजार अब तक सुस्त रहा है और नए डीमैट खाते खुलने की गति भी धीमी हुई है। मई 2026 में 22 लाख खाते खुले, जबकि पिछले छह महीनों का औसत 27 लाख था। कोविड महामारी के बाद रिटेल निवेशकों के ट्रेडिंग पैटर्न में बड़ा बदलाव देखा गया था।

टेस्ला ने दिल्ली में उत्तर भारत की पहली इन-मॉल चार्जिंग सुविधा शुरू की

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 जुलाई ।

इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनी टेस्ला ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उत्तर भारत की पहली इन-मॉल चार्जिंग सुविधा शुरू की। इसके जरिए कंपनी की कोशिश अपने चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर को देश में बढ़ाना है। कंपनी के बयान के मुताबिक, नई चार्जिंग सुविधा को दक्षिणी दिल्ली के नेक्सस सेलेक्ट सिटीवॉक में लॉन्च किया है। इसका अपटाइम 99.95 प्रतिशत है। अपटाइम का मतलब होता है कि चार्जर कितने समय तक चार्जिंग के लिए खुला हुआ है। नई चार्जिंग लोकेशन पर छह डेस्टिनेशन चार्जर (सभी एसी 11 किलोवाट की क्षमता के साथ) लगे हैं, जिससे टेस्ला मालिक शॉपिंग या खाना खाते समय अपनी गाड़ियों को चार्ज कर सकते हैं।

मॉल के पी1 पार्किंग एरिया में मौजूद नई साइट के शुरू होने के साथ, टेस्ला अब पूरे भारत में छह चार्जिंग लोकेशन चलाती है, जिनमें 20 सुपरचार्जर और 20 डेस्टिनेशन चार्जर शामिल हैं। चार्जिंग सुविधा के साथ-साथ, कंपनी ने 6 जुलाई से 10 जुलाई तक एक पॉप-अप स्टोर भी खोला है, जहां विजिटर गाइडेड वॉकअराउंड, प्रोडक्ट डेमोंस्ट्रेशन और टेस्ट ड्राइव के जरिए हाल ही में लॉन्च हुई मॉडल वाई एल और 2026 मॉडल वाई प्रीमियम रियर-व्हील ड्राइव को देख और समझ सकते हैं।

मॉडल वाई एल एक छह-सीटर, ऑल-व्हील-ड्राइव इलेक्ट्रिक एसयूवी है जिसमें तीन-रो वाली सीटिंग है और इसकी ड्राइविंग रेंज 681 किलोमीटर (डब्ल्यूएलटीपी) तक होने का दावा किया गया है। कंपनी ने बताया कि यह गाड़ी 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार 5 सेकंड में पकड़ लेती है और इसकी शुरूआती कीमत 61.99 लाख रुपए है।

2026 मॉडल वाई प्रीमियम रियर-व्हील ड्राइव है, जिसमें पांच यात्री बैठ सकते हैं। कंपनी, इसकी रेंज 500 किलोमीटर (डब्ल्यूएलटीपी) तक होने का दावा करती है। यह 0 से 100 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार 5.9 सेकंड में पकड़ लेती है और इसकी शुरूआती कीमत 50.89 लाख रुपए है। टेस्ला ने कहा कि दोनों मॉडल्स को ग्लोबल सेफ्टी असेसमेंट एजेंसियों से टॉप सेफ्टी रेटिंग मिली हैं, जिनमें यूएस नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन (एनएचटीएसए), इंश्योरेंस इंस्टीट्यूट फॉर हाईवे सेफ्टी (आईआईएचएस), यूरो एनकैप, एएनकैप और सी-आईएएसआई शामिल हैं।

ओपेक प्लस के उत्पादन वृद्धि से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी

ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई क्रूड कई महीनों के निचले स्तर पर, वैश्विक आपूर्ति बढ़ने से निवेशक चिंतित

नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 जुलाई । अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड 71.73 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 68.43 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार करते हुए कई महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गए। इस गिरावट की मुख्य वजह तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक प्लस का उत्पादन बढ़ाने का फैसला और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव में कमी आना है। ओपेक प्लस ने अगले महीने (अगस्त) से रोजाना 1.88 लाख बैरल अतिरिक्त तेल उत्पादन को मंजूरी दे दी है, जिसमें सऊदी अरब और रूस अग्रणी भूमिका निभाएंगे। इस फैसले के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त, पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों पर सामान्य आवाजाही बहाल होने से आपूर्ति बाधित होने का खतरा टल गया है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे प्रमुख उत्पादकों का निर्यात भी लगभग संघर्ष-पूर्व स्तर पर पहुंच गया है, जिससे वैश्विक उपलब्धता और बढ़ी है। निवेशकों को अब आशंका है कि मांग के मुकाबले आपूर्ति की अधिकता हो सकती है, जिससे कीमतों पर दबाव बना रहेगा। यही कारण है कि फिलहाल कच्चे तेल की कीमतों में किसी बड़ी तेजी की उम्मीद कम है।

कच्चे तेल की कीमतें एक प्रतिशत तक गिरीं, ओपेक प्लस ने बढ़ाया अगस्त का आउटपुट टारगेट

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 जुलाई

कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को करीब एक प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली है और इसकी वजह होर्मुज स्ट्रेट खुलने के बाद तेल उत्पादक देशों की ओर से कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ाना है। अंतरराष्ट्रीय कच्चा तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.76 प्रतिशत या 55 सेंट गिरकर 71.55 डॉलर प्रति बैरल पर, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड लगभग 1 प्रतिशत या 68 सेंट गिरकर 69 डॉलर प्रति बैरल से नीचे ट्रेड कर रहा था। तेल की कीमतों में यह गिरावट ओपेक प्लस के अगस्त के लिए प्रोडक्शन टारगेट बढ़ाने पर सहमत होने के बाद आई, जिससे कच्चे तेल की वैश्विक आपूर्ति की कमी को लेकर चिंताएं कम हुईं।

प्रस्तावित प्लान के तहत, सऊदी अरब और रूस की अगुवाई में सात बड़े उत्पादकों का कुल उत्पादन लक्ष्य 188,000 बैरल प्रति दिन बढ़ाया जाएगा। इसकी वजह ओपेक प्लस की ओर से क्रूड की कीमतों को सपोर्ट करने के लिए 2023 में लागू की गई स्वैच्छिक उत्पादन कटौती को धीरे-धीरे खत्म कर रहा है। अगर इसे लागू किया जाता है, तो हालिया बढ़ोतरी के बाद ओपेक प्लस द्वारा सप्लाई पर लगी पाबंदियों को हटाने के बाद कुल उत्पादन कोटा में बढ़ोतरी लगभग 9,40,000 बैरल प्रति दिन हो जाएगी, जो ग्लोबल ऑयल डिमांड का लगभग 1 प्रतिशत है।

होर्मुज स्ट्रेट के जरिए बड़े उत्पादकों से कच्चे तेल के निर्यात में सुधार का असर भी कीमतों पर पड़ा है। इससे पता चलता है कि इस इलाके में हालिया भू-राजनीतिक तनाव के बाद इस अहम समुद्री रास्ते से तेल की शिपमेंट सामान्य हो रही है। अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम शांति समझौते के बाद तनाव कम होने से खाड़ी क्षेत्र के प्रमुख उत्पादक देशों के लिए निर्यात और उत्पादन को फिर से शुरू करना संभव हो गया है। इसके अलावा, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने तेल निर्यात को संघर्ष से पहले के स्तर के करीब पहुंचा दिया है, जिससे वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की उपलब्धता बढ़ गई है।

अतिरिक्त आपूर्ति की वापसी से प्रमुख एशियाई बाजारों में भी अधिशेष की स्थिति बन गई है, जिससे संघर्ष के दौरान तेल की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी पर लगाम लगी है और बाजार हिस्सेदारी के लिए ओपेक उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ने की संभावना पैदा हो गई है। उत्पादन में हालिया बढ़ोतरी को 2023 में घोषित उत्पादन कटौती को बहाल करने की प्रक्रिया का अंतिम से पिछला चरण माना जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

ओपेक प्लस के उत्पादन वृद्धि से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी

दिल्ली, यूटर्न/ 06 जुलाई । अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड 71.73 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 68.43 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार करते हुए कई महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गए। इस गिरावट की मुख्य वजह तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक प्लस का उत्पादन बढ़ाने का फैसला और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव में कमी आना है। ओपेक प्लस ने अगले महीने (अगस्त) से रोजाना 1.88 लाख बैरल अतिरिक्त तेल उत्पादन को मंजूरी दे दी है, जिसमें सऊदी अरब और रूस अग्रणी भूमिका निभाएंगे। इस फैसले के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

रुपया 10 पैसे टूटकर 95.28 प्रति डॉलर पर

मुंबई, यूटर्न/ 06 जुलाई । रुपया सोमवार को शुरूआती कारोबार में 10 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.28 पर आ गया। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने से रुपये पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि नया विदेशी निवेश आने पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) रुपये को बहुत अधिक मजबूत होने देने के बजाय अपने विदेशी मुद्रा भंडार को फिर से बढ़ाने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका-ईरान शांति वार्ता की प्रगति को लेकर अनिश्चितता बनी रहने से बाजार में भू-राजनीतिक जोखिम कायम है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.25 प्रति डॉलर पर खुला। फिर डॉलर के मुकाबले 95.28 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को 17 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.18 पर बंद हुआ था।

विवेक विहार से लक्ष्मी नगर तक लटकते तार और झुके खंभों से हादसे का डर

» दिल्ली, यूटर्न/ 06 जुलाई ।

मानसून की बारिश के साथ राजधानी में बिजली के खुले और लटकते तार एक बार फिर लोगों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन गए हैं। पिछले कुछ वर्षों में बारिश और जलभराव के दौरान करंट लगने से कई लोगों की जान जा चुकी है, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात अब भी पूरी तरह नहीं सुधरे हैं।

रविवार को की गई पड़ताल में पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार, शकरपुर, प्रीत विहार, कृष्णा नगर, लक्ष्मी नगर, मंडावली और न्यू अशोक नगर समेत कई इलाकों में बिजली और केबल

के तार नीचे लटकते तथा अव्यवस्थित मिले। कई स्थानों पर बिजली के खंभे भी झुके हुए दिखाई दिए, जिससे स्थानीय लोगों में दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।

हम विवेक विहार के बी-ब्लॉक में पहुंचे तो यहां बिजली और इंटरनेट के तार आपस में उलझे दिखे। शकरपुर में बिजली के खंभों पर दर्जनों तार अव्यवस्थित ढंग से लटके दिखाई दिए। मंडावली की रेलवे कॉलोनी रोड पर पुराने और नए तारों का जाल बना हुआ है। लक्ष्मी नगर के गुरु रामदास नगर रोड पर कई जगह तार सामान्य ऊंचाई से काफी नीचे झूलते मिले, जबकि प्रीत विहार के विकास मार्ग पर एक बिजली का खंभा झुकी हुई स्थिति में मिला, जो किसी भी समय हादसे का कारण बन सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के दौरान जलभराव होने पर सबसे बड़ा डर करंट फैलने का रहता है। उनका आरोप है कि हर मानसून से पहले सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने के दावे किए जाते हैं, लेकिन स्थायी समाधान अब तक नहीं हो पाया। कई बार शिकायतें करने के बावजूद संबंधित विभाग केवल अस्थायी मरम्मत कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर देता है। हर बरसात में हादसों की खबरें सुनता हूं, लेकिन हमारे इलाके में आज तक तार ठीक नहीं हुए। -प्रमोद मेहता दिलशाद गार्डन

पानी भरते ही सबसे बड़ा डर करंट का रहता है। बच्चों को घर से बाहर निकालने में भी डर लगता है। -चंद्र अरोड़ा कृष्णा नगर

मैंने कई बार शिकायत की है, लेकिन सिर्फ अस्थायी मरम्मत होती है। -शिव बहादुर, विवेक विहार

जीएसटी टीम ने स्लॉटर हाउस में मारा छापा

हिसाब में मिला 32 लाख का अंतर

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 06 जुलाई

डासना स्थित इंटरनेशनल एग्रो फूड्स फर्म और उसकी गुलावठी व दादरी स्थित शाखाओं पर शनिवार को जीएसटी की विशेष अनुसंधान शाखा ने एक साथ छापा मारा। जांच में व्यापारी के लेखा पुस्तकों और स्टॉक में लगभग 32 लाख रुपये का अंतर पाया गया है। इसके साथ ही गुलावठी और दादरी में शाखाएं बंद पाई गईं।

राज्य कर विभाग के अपर आयुक्त ग्रेड वन रामकेश्वर ने बताया कि फर्म के मुख्य व्यापार स्थल के अतिरिक्त दादरी एवं गुलावठी क्षेत्र में घोषित अतिरिक्त व्यापार स्थलों पर एक साथ छापा मारा गया। केंद्रीय क्षेत्राधिकार के अंतर्गत पंजीकृत यह फर्म स्लॉटर हाउस संचालित करती है। इसमें बफैलो मीट और उसके बाई प्रोडक्ट्स टॉयलो, पोल्ट्री फीड, एमबीएम तैयार किए जाते हैं। फर्म के अतिरिक्त व्यापार स्थलों की जांच पर पाया गया कि यहां कोई व्यापारिक गतिविधि संचालित नहीं की जा रही है, केवल डासना में फैक्टरी संचालित की जा रही है। उन्होंने बताया कि एसआईबी टीम ने फर्म के लेखा पुस्तकों की गहनता से जांच की गई और फैक्टरी परिसर में निर्मित बफैलो मीट और बाय प्रोडक्ट्स टॉयलो, पोल्ट्री फीड सप्लीमेंट, एमबीएम, चमड़ा आदि के स्टॉक की गहनता से जांच की गई।

अपर आयुक्त ग्रेड वन ने बताया कि जांच टीम ने फैक्टरी संचालक से कैंसिल फर्म से इनपुट टैक्स की प्राप्ति के संबंध में प्रश्न पूछे। 2022-23 से 2026 -27 तक की अवधि में 221 ई वे बिल क्यों निरस्त किए गए हैं, जिससे लगभग 82 करोड़ का माल अच्छादित पाया गया है। व्यापारी की ओर से इसका कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया गया। फर्म की ओर से कार्यालय में आकर इसका जवाब प्रस्तुत करने के लिए कहा गया।

कार में चलता था 'बेटा या बेटी' बताने का गोरखधंधा : गर्भपात का भी इंतजाम

चीन की मशीन से खोल रहे थे गर्भ का राज

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 06 जुलाई ।

गाजियाबाद जिले में भ्रूण की लिंग जांच करने व गर्भपात कराने वाले गिरोह का पदार्फाश किया गया है। प्रकरण में स्वास्थ्य विभाग व पुलिस की संयुक्त टीम ने एक अस्पताल संचालक समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी कार में पोर्टेबल मशीन से महिलाओं के गर्भ में पल रहे भ्रूण की लिंग जांच करते थे।

आरोपियों को शनिवार देर रात महामाया स्टेडियम के पास उस समय पकड़ा गया, जब वे जांच के लिए एक महिला के आने का इंतजार कर रहे थे। पुलिस ने उनके कब्जे से चीन निर्मित पोर्टेबल जांच मशीन, कार, 20 हजार रुपये नकद और जांच से जुड़े अन्य उपकरण बरामद किए हैं।

एसीपी कोतवाली उपासना पांडेय ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में बागपत के चांदीनगर थाना क्षेत्र के गठी कलंजरी निवासी संदीप, बुलंदशहर के खानपुर निवासी तस्लीम, गढ़मुक्तेश्वर निवासी सलमान और गाजियाबाद के सिहानी निवासी साहिद शामिल हैं।

एसीपी के अनुसार, संदीप लोनी के बंथला फ्लाईओवर के पास स्थित साईं अस्पताल का संचालक है और पहले भी भ्रूण जांच के मामलों में नाम सामने आ चुका है। जनवरी 2025 में स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई के दौरान उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। इसके बावजूद उसके इस नेटवर्क से जुड़े रहने की बात सामने आई है। पुलिस अन्य संदिग्ध लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी तस्लीम ने

बताया कि केवल भ्रूण की लिंग जांच के लिए 15 से 20 हजार रुपये तक लिए जाते थे, जबकि जांच और गर्भपात दोनों शामिल होने पर पैकेज 50 से 60 हजार रुपये तक पहुंच जाता था। आरोपियों के साथी निजी व सरकारी अस्पतालों के बाहर सक्रिय रहते थे और गर्भवतियों व उनके परिजनों से संपर्क करते थे। लिंग जांच के लिए उनको हर मामले में 2,500 से 3,000 रुपये और जांच व गर्भपात दोनों कराने पर 10 हजार रुपये तक कमीशन दिया जाता था। आरोपियों ने बताया कि उनके पास हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड समेत देश के कई राज्यों से महिलाएं आती थीं। पुलिस की शुरूआती जांच में सामने आया है कि कुछ मामलों में आरोपियों ने गर्भ में बेटी होने की जानकारी देने के बाद गर्भपात की व्यवस्था भी की। कुछ महिलाओं का गर्भपात बंथला स्थित साईं अस्पताल में कराए जाने की बात भी सामने आई है। पुलिस अब इन महिलाओं के बारे में जानकारी जुटा रही है। यह जांच भी की जा रही है कि इस नेटवर्क से देश के अन्य राज्यों के लोग जुड़े हैं या नहीं।

संक्षिप्त खबरें

महिला से ठगी में तीन गिरफ्तार

फरीदाबाद, यूटर्न/ 06 जुलाई । ट्रेडिंग में 40 से 100 प्रतिशत तक मुनाफा दिलाने का झांसा देकर सेक्टर-21डी निवासी एक महिला से 5.11 लाख रुपये की साइबर ठगी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को साइबर थाना एनआईटी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान मेरठ निवासी जीवन (27), राहुल (33) व संभल निवासी सूर्य प्रताप (28) के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों को तीन जुलाई को मेरठ और संभल से गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि जांच में सामने आया कि सूर्य प्रताप खाताधारक है, जिसके बैंक खाते में ठगी के दो लाख रुपये आए थे। उसने अपना बैंक खाता जीवन को उपलब्ध कराया, जबकि जीवन ने यह खाता राहुल को दे दिया। तीनों आरोपी 12वीं पास हैं। सूर्य प्रताप ठेकेदारी का काम करता है। सेक्टर-21डी निवासी महिला को दस जून 2025 को टेलीग्राम पर एक लिंक मिला था। आरोपियों ने खुद को अमेजन से जुड़ा बताकर उसे ट्रेडिंग और ऑनलाइन टास्क के जरिए 40 से 100 प्रतिशत तक मुनाफा कमाने का लालच दिया। महिला से आरोपियों ने विभिन्न बैंक खातों में अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए कुल 5,11,000 रुपये डलवाए। रकम जमा होने के बाद आरोपियों ने न तो कोई मुनाफा दिया और न ही निवेश की राशि लौटाई। शिकायत मिलने पर साइबर थाना एनआईटी में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई।

कार में पोर्टेबल मशीन से करते भ्रूण की लिंग जांच, अस्पताल संचालक समेत चार गिरफ्तार

गाजियाबाद, यूटर्न/ 06 जुलाई । जिले में भ्रूण की लिंग जांच करने व गर्भपात कराने वाले गिरोह का पदार्फाश किया गया है। प्रकरण में स्वास्थ्य विभाग व पुलिस की संयुक्त टीम ने एक अस्पताल संचालक समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी कार में पोर्टेबल मशीन से महिलाओं के गर्भ में पल रहे भ्रूण की लिंग जांच करते थे। आरोपियों को शनिवार देर रात महामाया स्टेडियम के पास उस समय पकड़ा गया, जब वे जांच के लिए एक महिला के आने का इंतजार कर रहे थे। पुलिस ने उनके कब्जे से चीन निर्मित पोर्टेबल जांच मशीन, कार, 20 हजार रुपये नकद और जांच से जुड़े अन्य उपकरण बरामद किए हैं। एसीपी कोतवाली उपासना पांडेय ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में बागपत के चांदीनगर थाना क्षेत्र के गठी कलंजरी निवासी संदीप, बुलंदशहर के खानपुर निवासी तस्लीम, गढ़मुक्तेश्वर निवासी सलमान और गाजियाबाद के सिहानी निवासी साहिद शामिल हैं।

जिले में 25 हजार इलेक्ट्रिक वाहन एक भी सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन नहीं

» फरीदाबाद, यूटर्न/ 06 जुलाई

जिले में करीब 25 हजार इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत होने के बावजूद आम लोगों के लिए एक भी सरकारी सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशन उपलब्ध नहीं है।

सरकार एक ओर इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर 1.50 लाख रुपये तक की सब्सिडी, रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में पूरी छूट जैसी सुविधाएं दे रही है वहीं दूसरी ओर चार्जिंग जैसी सबसे बुनियादी सुविधा उपलब्ध न होने से ई-वाहन नीति का उद्देश्य अधूरा दिखाई दे रहा है।

फरीदाबाद में हर साल बढ़ते वायु प्रदूषण, ट्रैफिक और ईंधन खर्च के बीच बड़ी संख्या में लोग इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने की इच्छा रखते हैं लेकिन चार्जिंग की अनिश्चित व्यवस्था उन्हें निर्णय बदलने पर मजबूर कर देती है। अधिकांश वाहन मालिक घरों, निजी सोसाइटियों या व्यावसायिक परिसरों में उपलब्ध सीमित चार्जिंग व्यवस्था पर निर्भर हैं। जिन लोगों के पास निजी पार्किंग नहीं है उनके लिए इलेक्ट्रिक वाहन चलाना आज भी बड़ी चुनौती बना हुआ है।

प्रदूषण से लड़ाई में सबसे कमजोर कड़ी बना चार्जिंग नेटवर्क

फरीदाबाद लंबे समय से खराब वायु गुणवत्ता के कारण राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में रहा है। सर्दियों में शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स अक्सर गंभीर श्रेणी में पहुंच जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि सड़क परिवहन से निकलने वाला धुआं प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों में शामिल है। ऐसे में यदि शहर में मजबूत चार्जिंग नेटवर्क विकसित हो और लोग बड़ी संख्या में पेट्रोल-डीजल वाहनों की जगह इलेक्ट्रिक वाहन अपनाएं तो स्थानीय स्तर पर प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाई जा सकती है।

नीति बनी, लेकिन आधारभूत ढांचा नहीं

हरियाणा की ई-वाहन नीति वर्ष 2022 में लागू की गई थी। इसका उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग बढ़ाना, प्रदूषण कम करना और स्वच्छ परिवहन व्यवस्था विकसित करना है। नीति के तहत इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वालों को सब्सिडी के अलावा रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में छूट दी जा रही है। कुछ श्रेणियों में टोल टैक्स में भी रियायत का प्रावधान है। इसके बावजूद फरीदाबाद में सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन विकसित करने की दिशा में अपेक्षित प्रगति नहीं हो सकी।

किशोरी की तस्करी : शादी का झांसा देकर फिरोज करता रहा यौन शोषण, दो लाख में किया सौदा, ऐसे चढ़ा पुलिस के हत्थे

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 06 जुलाई

दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की आरके पुरम एनडीआर यूनिट ने नाबालिग की तस्करी और यौन शोषण के मुख्य आरोपी मोहम्मद फिरोज को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। डीजीपी क्राइम ब्रांच चंद्र कुमार सिंह ने बताया कि फिरोज से पूछताछ जारी है।

यह मामला गोविंदपुरी थाने में 2023 में दर्ज हुआ था। किशोरी तुगलकाबाद एक्सटेंशन में पर्स बनाने का काम सीख रही थी। इसी दौरान वह मोहम्मद फिरोज (46) के संपर्क में आई। फिरोज मूल रूप से मुजफ्फरपुर, बिहार का निवासी है। वह गुरुग्राम के उद्योग विहार में एक फैक्टरी में काम करता था। आरोप है कि फिरोज ने किशोरी को बहलाया। वह उसे अलग-अलग जगह ले गया। उसने शादी का झांसा देकर किशोरी का यौन शोषण किया। बाद में फिरोज ने 2 लाख रुपये लेकर किशोरी की शादी करा दी। यह

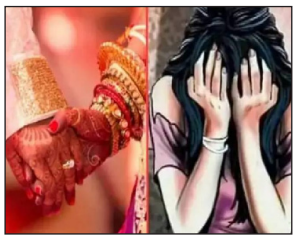

शादी झुंझुनू, राजस्थान में किसी अन्य व्यक्ति से कराई गई थी।

मामले का खुलासा

पीड़िता के परिजनों ने पुलिस से संपर्क किया। इसके बाद पुलिस ने किशोरी को बचाया। चिकित्सकीय जांच में किशोरी के यौन उत्पीड़न की पुष्टि हुई। इस मामले में पोक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

आरोपी की गिरफ्तारी

पुलिस ने मुख्य आरोपी फिरोज को पकड़ने के लिए अभियान चलाया। उसे निगरानी और मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर गुरुग्राम से दबोचा गया।

काजल अग्रवाल ने बताया बचपन में कैसे चिढ़ाती थी बहन निशा को

हाल ही में फिल्म अभिनेत्री काजल अग्रवाल अपने बचपन के दिनों को याद करती दिखीं। उन्होंने एक मजेदार खुलासा करते हुए बताया कि कैसे वह बचपन में अपनी छोटी बहन निशा अग्रवाल को चिढ़ाया करती थीं। सिंघम एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर कर बताया कि वह निशा को अक्सर यह कहकर परेशान करती थीं कि उन्होंने उसे सड़क के उस पार वाले डिपार्टमेंट स्टोर से उठाया है। इसके साथ ही वह यह भी कहती थीं कि अगर वह ठीक से पेश नहीं आएगी या बदमाशी करेगी तो वे उसे उसी स्टोर में क्रेडिट नोट के साथ वापस कर देंगे। काजल ने लिखा, जब हम छोटे थे तो मैं अपनी बहन को यह कहकर परेशान करती थी कि हमने उसे सड़क के उस पार वाले डिपार्टमेंट स्टोर से उठाया है और अगर वह बदमाशी करेगी तो उसे क्रेडिट नोट के साथ वापस कर देंगे। यह बच्चों की मासूम शरारत थी, जिसे काजल ने आज भी याद रखा है।

काजल का यह पोस्ट एक इंस्टाग्राम यूजर द्वारा निशा से पूछे गए एक मजेदार सवाल के जवाब में आया है। सवाल-जवाब के एक सेशन के दौरान, एक इंस्टाग्राम यूजर ने निशा से पूछा था, आप काजल अग्रवाल जैसी क्यों दिखती हैं? इस पर निशा ने भी बड़े ही मजेदार अंदाज में जवाब दिया था कि भाई-बहन अक्सर ऐसे ही होते हैं। एक ही माता-पिता, एक जैसे जीन, थोड़ी-बहुत समानता तो होती ही है।

यह उनके बीच के प्यार भरे रिश्ते को दशार्ता है, जहां दोनों बहनें एक-दूसरे की तारीफ और मजाक करने से भी नहीं हिचकिचातीं। इसी बीच, फिल्म अभिनेत्री काजल अग्रवाल के आने वाले प्रोजेक्ट की बात करें तो अभिनेत्री जल्द ही बहुप्रतीक्षित फिल्म द इंडिया स्टोरीः स्लो पॉइजन में श्रेयस तलपड़े के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।

यह फिल्म काजल के लिए एक खास प्रोजेक्ट है, क्योंकि इसमें एक मजबूत सामाजिक संदेश छिपा है। अभिनेत्री ने खुद बताया कि यह फिल्म आज के समय में कई माता-पिता के डर और चिंताओं को दशार्ती है, जो वर्तमान सामाजिक परिवेश में बहुत प्रासंगिक है। काजल ने कहा, द इंडिया स्टोरी एक ऐसी फिल्म है, जिसमें समाज के लिए एक मजबूत सामाजिक संदेश है। एक मां के तौर पर, यह कहानी मुझे बहुत निजी स्तर पर छू गई, क्योंकि यह उन डरों और चिंताओं को दिखाती है जो आज कई माता-पिता के मन में होते हैं।

यह दशार्ता है कि काजल इस फिल्म से भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई हैं और इसके संदेश को महत्वपूर्ण मानती हैं।

किसी भी महिला की खूबसूरती उसके चेहरे तक सीमित नहीं होतीः ईशा कोप्पिकर

बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर का कहना है कि मनोरंजन जगत में पुरुष कलाकारों की बढ़ती उम्र को अनुभव और परिपक्वता का प्रतीक माना जाता है, जबकि महिलाओं की उम्र बढ़ने को अक्सर नकारात्मक नजरिए से देखा जाता है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि इस सोच में बदलाव की जरूरत है और महिलाओं का सम्मान उनकी उम्र नहीं, बल्कि उनके व्यक्तित्व और जीवन के अनुभवों के आधार पर होना चाहिए। अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर ईशा कोप्पिकर ने साझा किए एक वीडियो में कहा कि फिल्मों में अक्सर बड़े उम्र के अभिनेता अपने से काफी कम उम्र की अभिनेत्रियों के साथ रोमांटिक भूमिका निभाते हैं और इसे पूरी तरह सामान्य माना जाता है। लेकिन यदि कोई महिला आत्मविश्वास के साथ अपनी पहचान जीती है, स्टाइलिश रहती है और खुलकर अपनी बात रखती है, तो उसे यह कहकर टोक दिया जाता है कि अब उसकी उम्र हो गई है और उसे उसी के अनुसार व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि समय के साथ महिला कमजोर नहीं होती, बल्कि उसका आत्मविश्वास, अनुभव और समझ पहले से अधिक मजबूत हो जाती है।

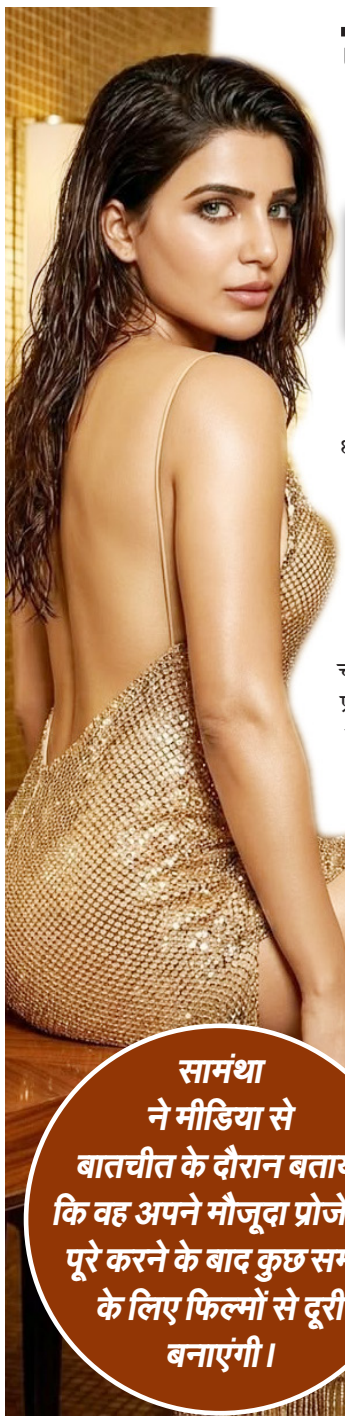

सामंथा ने मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि वह अपने मौजूदा प्रोजेक्ट पूरे करने के बाद कुछ समय के लिए फिल्मों से दूरी बनाएंगी।

सामंथा ने पोस्ट की तस्वीरों और वीडियो की एक खास श्रृंखला

अपने प्रशंसकों के साथ जून महीने की खूबसूरत यादें साझा करते हुए अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने सोशल मीडिया पर तस्वीरों और वीडियो की एक खास श्रृंखला पोस्ट की है। पोस्ट के साथ सामंथा ने संक्षिप्त कैप्शन लिखा, जून किसी फेयरीटेल जैसा था। उनकी इस पोस्ट को फैंस के साथ-साथ फिल्मी सितारों ने भी खूब पसंद किया। इन तस्वीरों में उनकी फिटनेस, सुकून भरे पल, यात्रा, पालतू कुत्तों के साथ बिताया समय और पति राज निदिमोरु के साथ निजी क्षणों की झलक देखने को मिली। अभिनेत्री अनन्या पांडे ने भी कमेंट करते हुए प्यार जताया। सामंथा द्वारा साझा की गई पहली तस्वीर में वह आइवरी रंग के खूबसूरत कढ़ाईदार एथनिक परिधान में बेहद आकर्षक अंदाज में नजर आईं। वहीं दूसरी तस्वीर में वह अपने घर में आराम करती दिखाई दीं, जहां उनके दोनों पालतू कुत्ते भी उनके साथ मौजूद थे। इसके अलावा उन्होंने जिम में वर्कआउट करते हुए अपना एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें उनका फिटनेस रूटीन दिखाई दिया। इस वीडियो में उनका बेबी बंप भी साफ नजर आने के बाद एक बार फिर उनकी प्रेग्नेंसी चर्चा का विषय बन गई। पोस्ट में शामिल अन्य तस्वीरों और वीडियो में वेलनेस रिट्रीट, प्राकृतिक नजारों, पसंदीदा भोजन, किताबों और रोजमर्रा की जिंदगी के कई खास पलों को भी जगह दी गई है। कुछ तस्वीरों में उनके पति और फिल्म निमार्ता राज निदिमोरु भी दिखाई दिए, जिससे दोनों की निजी जिंदगी की झलक प्रशंसकों को देखने को मिली। हाल ही में अपनी फिल्म मा इंटी बंगारम की सफलता के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सामंथा ने मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि वह अपने मौजूदा प्रोजेक्ट पूरे करने के बाद कुछ समय के लिए फिल्मों से दूरी बनाएंगी। उन्होंने कहा कि अपनी वर्तमान स्थिति को देखते हुए अब उन्हें मैटरनिटी ब्रेक लेना होगा।

अभिनेत्री ने भरोसा दिलाया कि इस ब्रेक के बाद वह नई फिल्म के साथ फिर दर्शकों के बीच लौटेंगी। कुछ दिन पहले फिल्म की सक्सेस सेलिब्रेशन के दौरान भी सामंथा की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। उस दौरान वह सफेद बॉडीकॉन टॉप और नीली डेनिम में नजर आई थीं, जिसके बाद उनके बेबी बंप को लेकर प्रेग्नेंसी की चचार्एं तेज हो गई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उनके पहले बच्चे का जन्म इसी वर्ष दिसंबर में होने की संभावना है। गौरतलब है कि सामंथा रूथ प्रभु ने फिल्म निमार्ता राज निदिमोरु से विवाह किया है।

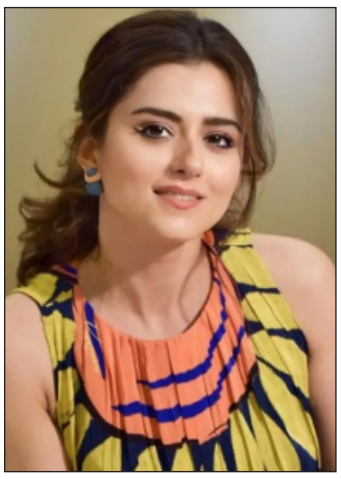

मुंबई की लोकल ट्रेनों में सफर को याद किया रिद्धि डोगरा ने

छोटे परदे की अभिनेत्री रिद्धि डोगरा ने टेलीविजन इंडस्ट्री में अपने अभिनय का लोहा मनवाया। अभिनेत्री को अपनी प्रतिभा के दम पर शाहरुख खान जैसे बड़े सितारों के साथ काम करने का मौका भी पाया। रिद्धि ने अपने संघर्ष के दिनों और उन मुश्किलों को भूलाया नहीं है, जिन्होंने उन्हें आकार दिया। हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए अभिनेत्री ने भीड़-भाड़ वाली मुंबई की लोकल ट्रेनों में सफर करने के दिनों को याद किया। उन्होंने उन चुनौतियों का जिक्र किया जिनका उन्होंने सामना किया और उस दृढ़ संकल्प के बारे में बताया जिसने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में उनके रास्ते को आकार दिया। रिद्धि ने अपने पोस्ट में लिखा, मुझे हमेशा से जुलाई का महीना पसंद रहा है। इन तस्वीरों ने जुलाई के पुराने दिनों की यादें ताजा कर दीं। जुलाई 2005 में मेरी मुंबई की कहानी शुरू हुई थी। कॉलेज से नई-नई निकली थी और बड़ी दुनिया में पढ़ने, घूमने-फिरने, जीने और सीखने के लिए उत्सुक थी। इसीलिए, मैंने मुंबई को चुना।

आगामी एकदिवसीय और टेस्ट सीरीज की तैयारी में लगे बुमराह

» मुम्बई, यूटर्न/ 06 जुलाई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह मैदान पर लौट आये हैं। बुमराह को इंग्लैंड दौर पर टी20 सीरीज के लिए शामिल नहीं करते हुए ब्रेक दिया गया है। जिससे वह आने वाली टेस्ट सीरीज और एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी तैयारी कर सकें। बुमराह का एक वीडियो सोशल मीडिया में आया है जिसमें वह लाल गेंद से अभ्यास करते हुए नजर आ रहे हैं। उनकी मैदान पर वापसी से प्रशंसक भी उत्साहित हैं। उनकी यह वापसी टीम इंडिया के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, खासकर जब टीम का ध्यान आगामी एकदिवीसीय और टेस्ट सीरीज को देखते हुए रणनीति बना रही है। गौरतलब है कि टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद बुमराह आईपीएल में प्रभावित नहीं कर पाये। उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में भी आराम दिया गया था। अब उनका पूरा ध्यान 14 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज और उसके बाद श्रीलंका दौरे पर होने वाली टेस्ट श्रृंखला की तैयारियों पर है। इसके अलावा, उन्हें एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में भी शामिल किया गया है। बुमराह के लिए इस बार आईपीएल सत्र अच्छा नहीं रहा और वह मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए 13 मैचों में केवल 4 विकेट ले पाये। इसमें उनका औसत 102.50 और इकोनॉमी 8.36 रही। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1/15 का रहा। यह उनके आईपीएल करियर का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन रहा जिसने उनकी फॉर्म पर सवाल खड़े किए थे।

बुमराह ने टी20 विश्व कप 2026 में शानदार वापसी की थी। वह आठ पारियों में 14 विकेट लेकर संयुक्त रूप से टूनार्मेंट के सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। इस दौरान उनका औसत 12.42 और इकोनॉमी 6.21 रही। अब लाल गेंद के साथ उनकी वापसी भारत के आगामी व्यस्त टेस्ट कैलेंडर के लिए महत्वपूर्ण है।

फोटो स्टोरी

बार्सिलोना से टेरागोना तक दूर डी फ्रांस साइकिल रेस में यूएई टीम अमीरेटस के इसाक डेल टोरो दूसरे दौर में जीत के बाद उत्साहित होते हुए।

वेनेजुएला में आए भूकंप के बाद मृतकों की संख्या में लगातार हो रही बढ़ोतरी, 3,342 तक पहुंचा मौत का आंकड़ा

» **काराकास, यूटर्न/ 06 जुलाई ।**

वेनेजुएला में पिछले महीने आए दो तेज भूकंप से हुई तबाही का मंजर बेहद खौफनाक है। मौत का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। वेनेजुएला में आए भूकंप के झटकों से मरने वालों की संख्या बढ़कर 3,342 हो गई है, जबकि 16,740 लोग घायल हुए हैं, नेशनल असेंबली के प्रेसिडेंट जॉर्ज रोड्रिगेज ने यह जानकारी दी। रोड्रिगेज ने रविवार को टेलीग्राम पर एक अपडेट में कहा कि बचाए गए लोगों की संख्या अभी भी 6,462 है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, एक आधिकारिक रिपोर्ट में कहा गया है कि 17,345 लोग बेघर भी हुए हैं। अपडेट के अनुसार, 24 जून को 7.2 और 7.5 तीव्रता के भूकंप के बाद से वेनेजुएला में 995 आफ्टरशॉक (कम तीव्रता के भूकंप) रिकॉर्ड किए गए हैं। अधिकारियों ने बेघर और प्रभावित लोगों की मदद के लिए 80 अस्थायी कैंप भी बनाए हैं। शनिवार के अपडेट के अनुसार, जिंदा बचे लोगों को ढूंढने के लिए 29,567 बचावकर्मी अभी भी तैनात हैं, जिनमें 3,281 विदेश से आए लोग शामिल हैं।

इस बीच, वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने 24 जून को देश में आए जबरदस्त भूकंप के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए सात दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की। रोड्रिगेज ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'पीड़ितों की याद में मैंने बुधवार (स्थानीय समय) की शाम 6:00 बजे से सात दिनों के लिए राष्ट्रीय शोक घोषित करने का फैसला किया है। भारी दुख की इस घड़ी में हम इस त्रासदी से पीड़ित लोगों को गले लगाते हैं और उनके साथ रहने और उनकी रक्षा करने का अपना वादा दोहराते हैं।

पीओके में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प, कई घायल

» **इस्लामाबाद, यूटर्न/ 06 जुलाई**

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में लोगों ने शटर-डाउन स्ट्राइक की और जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के बुलाए प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। इस दौरान कई इलाकों, खासकर मीरपुर जिले में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं।

सूत्रों और लोगों ने बताया कि रविवार को मीरपुर जिले के ददयाल शहर में हुई झड़पों में कुछ पुलिसवालों समेत करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए। झड़पें सबसे पहले ददयाल के अंब गांव में शुरू हुईं। गवाहों के मुताबिक, झड़पों में कम से कम तीन लोग घायल हुए। पाकिस्तानी अखबार डॉन ने बताया कि शाम को एक और झड़प हुई, जिसके बाद एक और गंभीर रूप से घायल प्रदर्शनकारी को मीरपुर के हॉस्पिटल ले जाया गया। मीरपुर डिविजनल हेडक्वार्टर हॉस्पिटल के अधिकारियों ने डॉन से कहा कि उन्हें चार घायल लोग मिले हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर है।

मीरपुर जिले के खलीकाबाद इलाके में महिलाओं ने प्रदर्शन किया। इस्लामगढ़ और चकसवारी में भी ऐसे ही विरोध प्रदर्शन हुए लेकिन किसी हिंसा की खबर नहीं है। भीमबेर में समाहनी घाटी में तीन जगहों पर पुरुषों और महिलाओं के एक ग्रुप ने विरोध प्रदर्शन किया। बरनाला सबडिवीजन के मोयेल गांव में बड़ी संख्या में महिलाओं और बच्चों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया।

मुजफ्फराबाद में लगभग सभी मार्केट बंद रहे। पब्लिक ट्रांसपोर्ट न होने और प्राइवेट गाड़ियों की आवाजाही कम होने की वजह से सड़कें सुनसान रहीं।

मुजफ्फराबाद के अलग-अलग हिस्सों में पुलिस ने फ्लैग मार्च किया। हालांकि, एयरपोर्ट चौक पर झड़पें हुईं, जहां पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया। इस मार्च में करीब एक दर्जन महिलाएं भी शामिल थीं, जो कथित तौर पर घन चत्तर गांव से आई थीं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने चार पुरुषों और तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया।

मौके के वीडियो में सड़क किनारे एक खाई में करीब एक दर्जन मोटरसाइकिल और कुछ फर्नीचर पड़े दिखे और झड़प के बाद सड़क पर खराब गाड़ियां भी दिखीं। बाद में, लोगों ने पुलिसवालों के बहुत ज्यादा बल इस्तेमाल के विरोध में धरना दिया। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने तारिकाबाद और लोअर चत्तर इलाकों में कई युवाओं को हिरासत में लिया, क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर आसपास की पहाड़ियों से पत्थर फेंकने और सड़क रोकने की कोशिश की थी।

पीओके के पुंछ डिवीजन में शुजाबाद, हजीरा, मुत्यालमेरा, पनिओला और अब्बासपुर समेत कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन हुए। रविवार शाम को हुई एक मीटिंग में, जेएएसी कोर कमेटी के सदस्य इम्तियाज असलम ने सरकार को समूह के मांगों के चार्टर को लागू करने और मौजूदा हालात को सुलझाने के लिए 8 जुलाई तक की आखिरी डेडलाइन दी।

अंकारा समिट से पहले नाटो के सामने दरारें और हो सकती हैं गहरी

» **अंकारा, यूटर्न/ 06 जुलाई ।**

नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) के नेता इस हफ्ते अंकारा में मिलने की तैयारी कर रहे हैं। यह गठबंधन ऐसे समय में एकता दिखाने की कोशिश कर रहा है जब रणनीतिक प्राथमिकता, रक्षा खर्च और इसके लंबे समय के मकसद पर मतभेदों को छिपाना मुश्किल होता जा रहा है। मंगलवार और बुधवार को होने वाली यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब ईरान के खिलाफ हाल ही में हुए अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन को लेकर अलग-अलग विचार, बड़े रक्षा खर्च के लक्ष्य पर लगातार बहस और यूरोप के कुछ हिस्सों में नाटो की सार्वजनिक आलोचना में बढ़ोतरी हो रही है। मतभेद के नए संकेत तब सामने आए जब फरवरी के आखिर में अमेरिका और इजरायल ने ईरान के खिलाफ सैन्य हमले किए। हालांकि नाटो के कई साथियों ने ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के वाशिंगटन के बताए गए मकसद के लिए राजनीतिक समर्थन दिया, लेकिन कोई भी ऑपरेशन में सीधी भूमिका निभाने के लिए तैयार नहीं हुआ। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, नाटो के साथी देशों ने होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने की अमेरिका की कोशिशों में मदद के लिए वॉरशिप भेजने में हिचकिचाहट दिखाई, जिससे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आलोचना की। ट्रंप ने यूरोपीय सहयोगियों पर सैन्य एक्शन से जुड़े खतरों से बचने के साथ-साथ अमेरिका की सुरक्षा गारंटी का फायदा उठाने का कड़ा आरोप लगाया। अंकारा के सेंटर फॉर मिडिल ईस्टर्न स्टडीज के सीनियर रिसर्चर ओयतुन ओरहान ने कहा कि कई यूरोपीय सदस्य ईरान पर अमेरिका के हमलों को वाशिंगटन के साथ एकता के बजाय मुख्य रूप से क्षेत्रीय स्थिरता के नजरिए से देखते हैं। ओरहान ने कहा, 'प्रत्यक्ष सैन्य हस्तक्षेप उन्हें जवाबी कार्रवाई के खतरे में डाल सकता था, ऊर्जा आपूर्ति को बाधित कर सकता था और ऐसे समय में प्रवासन (माइग्रेशन) के दबाव को बढ़ा सकता था, जब कई देश पहले से ही गंभीर घरेलू चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।'

140 करोड़ लोग देते हैं हमारा साथ

नेतन्याहू ने भारत को बताया इजरायल का मजबूत मित्र

» **वाशिंगटन, यूटर्न/ 06 जुलाई ।**

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारत को अपना दमदार दोस्त बताया है। नेतन्याहू ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के उस बयान से असहमति जताई, जिसमें उन्होंने कहा था कि इस समय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ही इजरायल के एकमात्र सहयोगी हैं। नेतन्याहू ने कहा कि ट्रंप निश्चित रूप से व्हाइट हाउस में इजरायल के सबसे बड़े मित्र रहे हैं, लेकिन दुनिया में इजरायल के कई अन्य मजबूत दोस्त भी हैं, जिनमें से एक भारत है।

मेरिकी प्रसारक फॉक्स न्यूज को दिए साक्षात्कार में इजरायली पीएम ने कहा, 'हमारे कुछ और दोस्त भी हैं, जैसे भारत। 140 करोड़ आबादी वाले इस देश से हमें जबरदस्त समर्थन मिलता है।' उन्होंने यह भी कहा कि उनके फेसबुक पेज पर मिलने वाला भारी समर्थन, खासकर भारतीय उपयोगकताओं की सक्रियता, इसका एक उदाहरण है।

रविवार रात (स्थानीय समयानुसार) प्रसारित इंटरव्यू में उन्होंने दावा किया कि भारत ही नहीं, कई अन्य देशों के नेता भी निजी तौर पर इजरायल का समर्थन करते हैं और रक्षा, साइबर सुरक्षा और एआई जैसे क्षेत्रों में सहयोग चाहते हैं। साथ ही उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को व्हाइट हाउस में इजरायल का सबसे बड़ा दोस्त बताया, लेकिन कहा कि हर मुद्दे पर उनकी और जेडी वेंस की राय एक जैसी होना जरूरी नहीं है।

इस दौरान उन्होंने यह भी दोहराया कि ईरान के मुद्दे पर उनकी और ट्रंप की सोच एक जैसी है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौता नहीं भी होता है, तब भी उनके प्रधानमंत्री रहते ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जाएगा।

पिछले महीने जेडी वेंस ने कहा था कि 'डोनाल्ड ट्रंप ही इस समय दुनिया के एकमात्र ऐसे राष्ट्राध्यक्ष हैं, जो इजरायल के प्रति सहानुभूति रखते हैं।' उन्होंने यह भी कहा था कि अगर वह इजरायली सरकार का हिस्सा होते, तो अपने एकमात्र शक्तिशाली सहयोगी की आलोचना नहीं करते।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए नेतन्याहू ने भारत का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां से भी उन्हें जबरदस्त समर्थन प्राप्त होता है।

संक्षिप्त खबरें

फिलीपींस के सीनेटर रोडेंटे माकोर्लेटा गबन के मामले में गिरफ्तार

मनीला, यूटर्न/ 06 जुलाई । फिलीपींस के सीनेटर रोडेंटे माकोर्लेटा को सोमवार को गबन के मामले में अदालत के आदेश बाद गिरफ़्तार कर लिया गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गयी है। रिपोर्टों के अनुसार भ्रष्टाचार-रोधी अदालत 'सैंडिगनबायन' ने आज उनके खिलाफ बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार या गबन के मामले में गिरफ़्तारी वारंट जारी किया था।

पीओके में पाक सेना की बर्बरता के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन

लंदन, यूटर्न/ 06 जुलाई । यूनाइटेड किंगडम में रहने वाले कश्मीरी समुदाय के कई लोगों ने सोमवार को लंदन स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कार्रवाई की आलोचना करते हुए वहां मानवाधिकार बहाल करने की मांग की। यह प्रदर्शन ऐसे समय में हुआ है जब पीओके में लगातार तनाव की खबरें सामने आ रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, सुरक्षा बलों की कार्रवाई में कई नागरिकों के मारे जाने और घायल होने का दावा किया गया है। साथ ही क्षेत्र में कर्फ्यू, सख्त पाबंदियां और संचार सेवाएं बंद होने की भी बात कही जा रही है। जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि लंदन में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रदर्शन कर समिति के समर्थन में आवाज उठाई और निर्दोष कश्मीरियों के खिलाफ कथित हिंसा का विरोध किया। समिति ने कहा कि यह प्रदर्शन उन लोगों के लिए संदेश है, जो बल प्रयोग के जरिए जन आंदोलन को दबाने की कोशिश कर रहे हैं।

72 लोगों की मौत के मामले में आरोपी बना 11 साल का मासूम

कराची अग्निकांड में हुआ था भारी जान-माल का नुकसान

» **कराची, यूटर्न/ 06 जुलाई ।**

पाकिस्तान के कराची में हुए भीषण अग्निकांड के मामले ने सभी को चौंका दिया है। पुलिस द्वारा अदालत में दाखिल किए गए आरोपपत्र में 11 वर्षीय बच्चे को मुख्य आरोपी बनाया गया है। जनवरी में हुए इस हादसे में 72 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि सैकड़ों दुकानें जलकर पूरी तरह नष्ट हो गई थीं। अब यह मामला न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ रहा है। घटना 17 जनवरी को कराची के सदर इलाके में स्थित एम.ए. जिन्ना रोड पर स्थित गुल प्लाजा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में हुई थी। आग इतनी भीषण थी कि इसे पूरी तरह बुझाने में दमकल विभाग और बचाव दलों को करीब एक सप्ताह का समय लग गया। इस दौरान पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मची रही और भारी आर्थिक नुकसान हुआ। अदालत में दाखिल किए गए आरोपपत्र में 11 वर्षीय बच्चे के साथ उसके पिता और गुल प्लाजा प्रबंधन समिति के चार सदस्यों को भी आरोपी बनाया गया है। प्रबंधन से जुड़े जिन लोगों को नामजद किया गया है, उनमें तनवीर पास्ता, अमर इस्माइल, मोहम्मद रमजान और मोहम्मद अमीन शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि घटना के बाद ये सभी आरोपी मौके से फरार हो गए थे और अभी तक उनकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *